शर्मा हार्डओवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 141 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब संसद से नहीं विस से होगा लागू यूसीसी — पेज 2
कामरूप (मेट्रो) जिले में महिलाओं को ऋण मुक्त प्रमाण-पत्र — पेज 3
गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर बसपा अध्यक्ष मायावती ने जाहिर की नाराजगी — पेज 5
महिला क्रिकेट : न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे बारिश के कारण रद्द — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जुए में लिप्त रहने वाले के कार्य पूरे नहीं होते हैं।

– आचार्य चाणक्य

संसद में हंगामा : भाजपा सांसद का फूटा सिर, राहुल गांधी ने आरोपों को किया खारिज

घायल सांसद से पीएम ने की बात

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र आज (19 दिसंबर) एक अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण सुर्खियों में आया। संसद भवन के भीतर और बाहर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ था, जब भाजपा सांसद प्रताप चंद्र सारंगी का सिर फट गया। यह घटना संसद परिसर के भीतर विरोध प्रदर्शन के दौरान घटी, जिसके बाद भाजपा सांसद ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए। प्रताप चंद्र सारंगी ने दावा किया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, और वह सांसद उनके ऊपर गिर गए, जिससे उनके सिर में चोट आ गई। इस घटनाक्रम का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि वह संसद भवन की सीढ़ियों के पास खड़े थे, तभी राहुल गांधी वहां आए और एक सांसद को धक्का दिया। उस सांसद के गिरने से वह खुद भी गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। सारंगी ने कहा कि इस घटना के लिए राहुल गांधी जिम्मेदार हैं, क्योंकि उनके द्वारा धक्का दिए जाने से ही यह सब हुआ। भाजपा सांसद के सिर में जो चोट आई, वह काफी गंभीर थी और इसे लेकर उनकी प्रतिक्रिया तीव्र थी। उधर संसद में मारपीट के दौरान घायल हुए भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे संपर्क किया है। राहुल गांधी ने इस घटना के बारे में मीडिया से बात करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि यह सब एक घेराबंदी के

-शेष पृष्ठ दो पर

सत्ता पक्ष और विपक्ष ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच गुरुवार को हाई वॉल्टेज ड्रामा देखने को मिला। बाबा साहेब के अपमान को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच टकराव इस कदर बढ़ गया कि मामला पुलिस स्टेशन तक जा पहुंचा। दोनों पार्टियों ने संसद के बाहर कथित हाथापाई के बाद एक-दूसरे पर मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। भाजपा की तरफ से लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा सांसदों को धक्का मार कर घायल करने की घटना पर साथी सांसदों बांसुरी स्वराज व हेमांग जोशी के साथ संसद मार्ग थाने में राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दर्ज कराई। अनुराग ठाकुर ने कहा कि अहंकारी

-शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

स्कूल मेले में मची भगदड़, 30 बच्चों की मौत

एबूजा। दक्षिण-पश्चिमी नाइजीरिया में बुधवार को एक स्कूल द्वारा छुट्टियों पर आयोजित मेले के दौरान मची भगदड़ में 30 बच्चों की मौत हो गई। स्थानीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। ओयो राज्य के गवर्नर सेई मकिंडे ने बताया कि भगदड़ राज्य के इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में हुई। उन्होंने बताया कि घटना के मद्देनजर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। राज्य के गवर्नर सेई मकिंडे

-शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय में की तोड़फोड़

मुंबई। डॉ. बीआर अंबेडकर के नाम पर सियासत गरमा गई है। दिल्ली भड़की सियासी आग की चिंगारी अब महाराष्ट्र तक पहुंच गई। एक तरफ जहां विपक्ष लगातार केंद्रीय मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग कर रहा है। वहीं, अब महाराष्ट्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कांग्रेस के खिलाफ

-शेष पृष्ठ दो पर

असम में आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश

हिंदू नेताओं को निशाना बनाने की साजिश में आठ जिहादी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने केरल और पश्चिम बंगाल पुलिस की मदद से आठ जिहादियों (कट्टरपंथियों) को गिरफ्तार किया है। इनमें एक बांग्लादेशी नागरिक भी है। आरोप है कि यह मॉड्यूल देश में हिंसक हमले और हिन्दू नेताओं को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा था। ऑपरेशन *प्रगति* के तहत देशभर में जुड़े अन्य मॉड्यूल का पता लगाने के लिए पुलिस पड़ताल कर रही है। गुरुवार को असम पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में असम पुलिस के स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह ने बताया कि राष्ट्रव्यापी आपरेशन प्रगति तहत केरल और पश्चिम बंगाल की पुलिस की मदद से आतंकी माड्यूल का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस ने संयुक्त अभियान में आठ जिहादियों को गिरफ्तार किया है। इन जिहादियों की पहचान अब्दुल करीम, मु. अब्बास अली, एनामुल हक, हमिदुल इस्लाम, मिनरूल एसके, शुरू इस्लाम मंडल, मु. साद रंदी उर्फ शाब शेख, मजिबर रहमान के रूप में की गई है। इनके पास से दौरान बांग्लादेशी दस्तावेज, कट्टरपंथी साहित्य और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद साद रादी उर्फ शब शेख (32), जो राजशाही, बांग्लादेश का निवासी है, बीते नवंबर में भारत आया था। यह आरोपी असम और पश्चिम बंगाल में स्लीपर सेल्स बनाने और जिहादी विचारधारा फैलाने में लगे थे। उन्होंने बताया कि इन जिहादियों ने इलाकें में कई बैठकें कर हिंदू संगठनों और प्रमुख धार्मिक नेताओं पर हमले की योजना बनाई थी। इसका उद्देश्य इलाके में साम्प्रदायिक तनाव फैलाना था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नूर इस्लाम मंडल पहले भी एक मामले में गिरफ्तार हुआ था और जमानत पर बाहर था। वह अन्य आरोपितों के साथ मिलकर युवाओं को आतंकी संगठनों से जोड़ने का प्रयास कर रहा था। असम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इस जांच की निगरानी कर रहे हैं। उधर एसटीएफ असम प्रमुख पार्थ सारथी महंत के नेतृत्व में, *ऑपरेशन प्रघात* केरल और पश्चिम

-शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत, सीएम शर्मा ने दिए जांच के आदेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी में कांग्रेस के हिंसक विरोध प्रदर्शन मामले में गहन जांच के आदेश दिए है, जिसमें कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। सीएम शर्मा ने गुरुवार को कहा कि अब से राजभवन के पास किसी भी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री शर्मा ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्यपाल की संस्था दलगत राजनीति से ऊपर है। कल (बुधवार को), कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने पुलिस बैरिकेड्स तोड़कर राजभवन में जबरन घुसने का प्रयास किया और आसपास के क्षेत्र में अराजकता फैलाई। पुलिस एफआईआर दर्ज करेगी और वीडियो रिकॉर्डिंग की जांच सहित घटना की गहन जांच करेगी। अब से, राजभवन के पास किसी भी तरह के प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। विरोध

-शेष पृष्ठ दो पर

विश्व शांति की बात करने वाले, बांग्लादेशी हिंदुओं पर चुप हैं : भागवत

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को अक्सर अपने अल्पसंख्यकों के मुद्दों का समाधान करने की सलाह दी जाती है। अब हम देख रहे हैं कि दूसरे देशों में अल्पसंख्यक समुदाय किस स्थिति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने *हिंदू सेवा महोत्सव* की शुरुआत के मौके पर लोगों को संबोधित किया उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में पग-पग पर विश्व शांति की चर्चा की जा रही है।

-शेष पृष्ठ दो पर

पोंजी घोटाला : सीबीआई ने दाखिल किए आरोपपत्र, मोनालिसा के खिलाफ नए सबूत मिले

गुवाहाटी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने असम पोंजी घोटाला मामलों में से एक में आरोपी व्यक्तियों चबीन बर्मन, दीपाली तालुकदार बर्मन और मुकेश अग्रवाल के खिलाफ गुवाहाटी में विशेष सीबीआई अदालत के समक्ष एक पूरक आरोप पत्र दायर किया, सीबीआई ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के 90 दिनों के भीतर आरोपपत्र दायर किया गया, जो इस मामले के सिलसिले में

-शेष पृष्ठ दो पर

नए साल में चाय से लेकर साबुन तक सब होगा महंगा

नई दिल्ली। नया साल शुरू होते ही आम उपभोक्ताओं की जेब पर और भार बढ़ने वाला है। देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनियां, जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर, गोदरेज कंज्यूमर, पारले प्रोडक्ट्स, नेस्ले, और अडानी विल्मर, अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं। उत्पादन लागत और कस्टम ड्यूटी में बढ़ोतरी का असर अब चाय पत्ती, साबुन, तेल और क्रीम जैसे रोजमर्रा के उत्पादों पर साफ दिखाई देगा। सितंबर 2024 में खाद्य तेल आयात पर ड्यूटी में 22 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ही पिछले एक साल में इसकी लागत में 40 प्रतिशत तक का

-शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में निवेश करने पर करेंगे हर तरह की मदद : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बंगाल भारत के प्रमुख राज्यों में से एक बन रहा है। आप बंगाल में निवेश करें, हम हर तरह की मदद करेंगे। यह आश्वासन बुधवार को सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस के नए कैंपस के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ इंफोसिस के लिए नहीं, बल्कि बंगाल के लिए भी ऐतिहासिक

-शेष पृष्ठ दो पर

पंचायत चुनाव पर अदालत की अनुमति के बिना अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी : गौहाटी एचसी

गुवाहाटी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह उसकी अनुमति के बिना पंचायत चुनाव कराने के संबंध में कोई अधिसूचना जारी न करे। अदालत कई रिट याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें मुख्य रूप से राज्य भर में पंचायतों के परिसीमन को चुनौती दी गई थी। असम सरकार ने पहले घोषणा की थी कि नव-सीमित निर्वाचन क्षेत्रों के साथ पंचायत चुनाव अगले साल 10 फरवरी तक पूरे कर लिए जाएंगे। इस मामले की पुन: सुनवाई 9 जनवरी को होगी। न्यायमूर्ति सौमित्र सैकिया की एकल पीठ ने बुधवार को एक आदेश में कहा कि अगली तारीख तय होने तक प्रतिवादी अदालत की अनुमति के बिना कोई अधिसूचना जारी नहीं करेंगे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद पीठ ने पाया कि राज्य सरकार ने आज अपना

-शेष पृष्ठ दो पर

रीट परीक्षा : आवेदन में अधिकतम तीन महीने पुरानी फोटो लगानी होगी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की जाने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2024 में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रहेंगे। बोर्ड संवेदनशील व अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी तथा अन्य केंद्रों पर वीडियोग्राफी से निगरानी रखेगा। अभ्यर्थियों को आवेदन में अधिकतम तीन महीने पुरानी फोटो लगानी होगी। परीक्षा के समय फोटो का मिलान भी किया जाएगा। बोर्ड को बुधवार शाम तक 29 हजार 308 आवेदन मिले हैं। इनमें 1035 आवेदक ऐसे हैं जिन्होंने दोनों लेवल में परीक्षा देने के लिए आवेदन किया है। बोर्ड के सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया कि आगामी 27 फरवरी को दो पारियों में आयोजित की जाने वाली रीट परीक्षा के लिए तैयारियां तेज कर दी गई है। परीक्षा में संवेदनशील एवं अति संवेदनशील केंद्रों पर सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों पर वीडियोग्राफी भी करवाई जाएगी। बोर्ड विशेष उडनदस्ते भी गठित करेगा। बोर्ड ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिए हैं कि आवेदन में अपनी अद्यतन फोटो ही लगाएं। यह फोटो तीन महीने से अधिक पुरानी

इजरायल के खिलाफ एकजुट हुए आठ मुस्लिम देश

नई दिल्ली। आठ मुस्लिम देशों के ग्रुप डी 8 की इजिप्ट में बड़ी बैठक हो रही है। पाकिस्तान और बांग्लादेश समेत इस बैठक में तुर्किए और ईरान जैसे देश भी हिस्सा ले रहे हैं। आर्थिक मुद्दों के अलावा इस बैठक में मुस्लिम देश फिलिस्तीन मुद्दे को भी उठाया जा सकता हैं। खासकर सीरियाई तख्तापलट के बाद इजरायल जिस तरह से आक्रमक हुआ है, उसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये देश इजरायल के खिलाफ भी कोई प्रस्ताव ला सकते हैं। विकासशील मुस्लिम देशों के संगठन में पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, नाइजीरिया, इजिप्ट, तुर्किए और ईरान शामिल है। संगठन का पूरा नाम

-शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान से उधार लेकर भारत पर न्यूक्लियर बम चलाएगा बांग्लादेश

ढाका। एहसान फरमोश बांग्लादेश की हिम्मत तो देखिए, वो अब पीएम मोदी का नाम लेकर धमकी देने लगा है। न्यूक्लियर बम वाले दोस्त होने की बाते कर रहा है। और तो और हिंदुओं को खत्म करने की धमकी दे रहा है। एक बहुत ही मशहूर कहावत है थोथा चना बाजे घना कुछ यही कहावत बांग्लादेश पर सटीक बैठती है। जो देश बना ही भारत की बदौलत भारतीय सैनिकों के शौर्य के बाद जिसका जन्म हुआ। जिसकी इकोनॉमी की बड़ी निर्भता भारत पर है। उस बांग्लादेश के लोग अब भारत को न्यूक्लियर धमकियां देने लगे हैं। जो आज तक अपने लोगों को एकजुट नहीं रख पाए वो मुस्लिमों को एकजुट करने के खोखले दावे

-शेष पृष्ठ दो पर

चीन में उईगरों ने अचानक हल्ला बोला

बीजिंग। चीन से लगातार खबरें आती हैं कि वहां पर उईगर मुसलमानों पर अत्याचार होते हैं। लेकिन पहली बार उईगर मुसलमानों ने जबरदस्त पलटवार किया है। उईगर मुसलमानों के एक मिलिटेंट ग्रुप ने चीन को हमले की धमकी दी है। उईगर मुसलमानों ने कहा है कि वो चीन से शिनजियांग प्रांत को अलग कर देंगे क्योंकि शिनजियांग प्रांत उनका इलाका है। मजे की बात देखिए की चीन का सीपैक प्रोजेक्ट इसी शिनजियांग प्रांत से शुरू होता है। गौर करने वाली बात ये भी है कि उईगर मुसलमानों के जिस मिलिटेंट ग्रुप ने चीन को धमकी दी है उस ग्रुप को पाकिस्तान से मदद मिल रही है। इस खबर ने दुनियाभर में हड़कंप मचा दिया है और बांग्लादेश को भी डरा दिया है। उईगर मुसलमानों का ये संगठन कौन सा है और इसने क्या धमकी दी है, इसके बारे में आपको विस्तार से बताते हैं। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी (टीआईपी) जो एक उइघुर आतंकवादी समूह है, ने हाल ही में सीरियाई गृहयुद्ध में शामिल होने के

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CHANGE

I, Service No. 15696631F, Rank- HAV, Name- Vipul Bhagvanji Bhai Lota, presently residing of Unit 3 AFSR, C/O 99 APO have changed my daughter's name from Mahek to Mahek Vipulbhai Lota and my son's name from Kriyansh to Kriyansh Vipulbhai Lota Aadhar Card and school and Army records vide Affidavit SL. No. 39, dated 25.11.2024.

अब संसद से नहीं विस से होगा लागू यूसीसी

लखनऊ। भाजपा ने हमेशा से देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत की है, और यह मुद्दा जनसंघ के समय से ही पार्टी के एजेंडे का हिस्सा रहा है। जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है, तब से इस मुद्दे पर पार्टी ने लगातार जोर दिया है। भाजपा ने राम मंदिर, अनुच्छेद 370 को हटाने और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बनाया था। राम मंदिर का सपना तो साकार हो चुका है, अनुच्छेद 370 को खत्म किया जा चुका है, अब सिर्फ समान नागरिक संहिता को लागू करने का काम बाकी है, जिसे भाजपा और मोदी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जरिए अयोध्या में राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ हुआ, और मोदी सरकार ने संसद के जरिए अनुच्छेद 370 को खत्म किया। साथ ही, संसद के जरिए *एक देश, एक चुनाव* की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। अब, समान नागरिक संहिता को लागू करने की प्रक्रिया को लेकर भाजपा ने एक नई रणनीति बनाई है। भाजपा इस मुद्दे को संसद के बजाय राज्य विधानसभा के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अपने बयान के माध्यम से संकेत दिए थे। अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर चर्चा करते हुए समान नागरिक संहिता के महत्व को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 44 के तहत हमारा संविधान समान नागरिक संहिता की बात करता है, लेकिन यह अभी तक देश में लागू नहीं हो पाया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस को दोषी ठहराते हुए कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू किया था, और कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति शुरू कर दी थी। अमित शाह ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई बार समान नागरिक संहिता लागू करने की बात की है, लेकिन कांग्रेस ने हर बार इसे टाल दिया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने यूसीसी को लागू किया है और इसी मॉडल के तहत भाजपा शासित अन्य राज्यों में भी यूसीसी को लागू किया जाएगा।

नाबालिग लड़की को जालुकबाड़ी पुलिस ने बचाया

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जालुकबाड़ी आउटपोस्ट (ओपी) की एक टीम ने एक नाबालिग लड़की को बचाया, जो एक नाबालिग लड़के के साथ भाग गई थी। जांच में पता चला कि लड़के ने अपनी मुस्लिम होने संबंधी असली पहचान छिपाई और खुद को *राहुल बर्मन* के रूप में प्रस्तुत किया। लड़की और लड़का तमिलनाडु से लौट रहे थे, उसी दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ा। लड़की को उसके परिवार को सौंप दिया गया, जबकि कोर्ट के आदेश पर लड़के (सीसीएल) को बोको के ऑब्जर्वेशन होम भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

चोरी के आरोप में सोनार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। चांदमारी पुलिस ने चोरी के आभूषण खरीदने के आरोप में एक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि चोरी के आभूषण खरीदने के आरोप में दीपांकर कर्मकार (42) को गिरफ्तार किया गया है। जो लालगणेश का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपी के बासुदेव ज्वेलरी से तलाशी के दौरान दो सोने की नोज पिन, चांदी की एक छोटी चेन, दो पायल, एक जोड़ी छोटी चूड़ियां, एक अंगूठी आदू बरामद हुए।

कामपुर में 6 किग्रा गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कामपुर घिलानी में पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाते हुए छह किलोग्राम गांजा बरामद किया। इस दौरान एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह गांजा एक व्यक्ति के घर से बरामद किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान घिलानी कंदापारा के अब्दुल सत्तार के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति लंबे समय से गांजे का अवैध व्यापार कर रहा था। उधर बाक्सा जिले के आऊहाटा इलाके से स्थानीय लोगों ने मोबाइल टावर की सामग्री चोरी करते समय दो चोरों को रंगे हाथ पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जिले के आऊहाटा इलाके में गांव वालों द्वारा दो चोर को पकड़े।

नलबाड़ी में जंगली हाथी के हमले में घायल व्यक्ति की मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के गोविंदपुर में जंगली हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए मिंटू बर्मन नामक व्यक्ति की मौत हो गई। दो दिन पहले उनके घर के सामने जंगली हाथी ने उसपर हमला किया था। घटना के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी रेफर किया गया। लेकिन, इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से नलबाड़ी के उत्तरी क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक जारी है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। आज दोपहर असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक इनपुट के आधार पर बशिष्ठ थाना क्षेत्र के अंतर्गत खानापाड़ा में छापेमारी की। इस अभियान में एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान 19 शीशियां संदिग्ध हेरोइन की, जिनका कुल वजन 25.8 ग्राम है तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अनामियास बसुमतारी उर्फ मिथिंगिया (36) के रूप में हुई है।

No.KDB-448/2023-2024/10725 *Dated Gurufela the 18/12/2024*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and twenty five rupees) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be covered and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered contractor Class-I (A, B, C) & Class-II Categories Assam P&RD and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under SOPD-G fund for the year 2024-25 as stated below. The tender will be received by the undersigned upto 2.00 PM of 08/01/2025 and will be opened on same day at 3.PM.

Sl. No.	Name of Work	Location	Estimated value (Rs. In lakh)	Cost of bid document	Amount of bid security	Time of completion
1	2	3	4	5	6	7
1	Repairing & Renovation of West Gardenpur Community Hall at Gardenpur	Gardenpur	Rs. 19.00 L	0.03%	SC/ST= 1% OTH = 2%	3 months

Details N.I.T may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned tender will be issued to the contractors of their authorized agent from 19/12/2024 to 08/01/2025 in the office of the undersigned on payment in the form of demand draft/banker's cheque from any Nationalized bank, duly pledged in favour of the BDO, Kachugaon Dev. Block, Gurufela.

Sd/-
Block Development Officer,
Kachugaon Dev. Block, Gurufela

IPR(BTC)-2023-24/1141

पृष्ठ एक का शेष

संसद में हंगामा : भाजपा ...

दौरान हुआ। राहुल गांधी ने बताया कि वह संसद के प्रवेश द्वार से अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे, और भाजपा सांसद उन्हें रोकने, धक्का देने और धमकाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सब तब हुआ जब मैं संसद के अंदर जाने की कोशिश कर रहा था, और भाजपा सांसद मुझे रोकने के लिए मुझे धक्का दे रहे थे। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, जो उस समय उनके साथ थे, उन्हें भी धक्का दिया जा रहा था। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद जानबूझकर उनका रास्ता रोकने की कोशिश कर रहे थे, ताकि वे संसद के अंदर प्रवेश न कर सकें। हालांकि, राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वे इस धक्का-मुक्की से प्रभावित नहीं होते, क्योंकि उन्हें संसद में प्रवेश का अधिकार है। राहुल गांधी ने कहा कि हम संविधान पर किए जा रहे हमलों को देख रहे हैं, खासकर अंबेडकर जी की धरोहर का अपमान किया जा रहा है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। राहुल गांधी का कहना था कि भाजपा सांसदों द्वारा किए जा रहे इस प्रकार के व्यवधानों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर असर पड़ता है, और यह संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन है। इस घटना ने संसद परिसर में और उससे बाहर भी राजनीतिक तनाव को बढ़ा दिया। भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भाजपा ने इस घटना को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा, जबकि कांग्रेस ने इसे भाजपा द्वारा लोकतंत्र और संविधान पर किए जा रहे हमले के रूप में देखा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी असफलताओं को छुपाने के लिए इस तरह के हिंसक और अपमानजनक व्यवहार का सहारा ले रही है। कांग्रेस ने कहा कि यह एक सुनियोजित कोशिश थी, जिसमें भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी और उनके नेताओं को संसद में प्रवेश करने से रोकने का प्रयास किया।

सत्ता पक्ष और...

राहुल गांधी खुद को कानून से ऊपर समझते हैं। अनुराग सिंह ठाकुर ने आरोप लगाया कि जहां एनडीए सांसद शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और राहुल गांधी जी ने उन्हें धक्का देकर घायल कर दिया, जिसके चलते भाजपा के दो सांसद अस्पताल में भर्ती हैं। राहुल गांधी को कानून के उल्लंघन की आदत है। हत्या की कोशिश की धाराओं में शिकायत दी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस खिसियानी बिल्ली खंभा नोचने वाली मानसिकता में है। राहुल गांधी का यह व्यवहार न केवल गैर-जिम्मेदाराना है। बल्कि संसदीय गरिमा और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाला भी है। मुकेश राजपूत को उस धक्के में सिर के बल गिरे, प्रताप चंद्र सारंगी का सिर फट गया है। शारीरिक हमला और उकसाने का काम राहुल गांधी ने किया है। वहीं, कांग्रेस ने भी भाजपा के नेताओं के खिलाफ गुरुवार को संसद मार्ग पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि भाजपा नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ दुर्व्यवहार किया, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। दिग्विजय सिंह, मुकुल वासनिक, राजीव शुक्ला और प्रमोद तिवारी सहित कांग्रेस सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने व्यक्तिगत रूप से शिकायत दर्ज कराई। उस समय, भाजपा नेताओं का एक समूह नई दिल्ली के डीसीपी देवेश कुमार महला से मिल रहा था, जिससे कांग्रेस नेताओं को अपनी शिकायत दर्ज कराने से पहले एसीपी के कमरे में इंतजार करना पड़ा।

हिंदू नेताओं को ...

बंगाल पुलिस की सक्रिय सहायता से चलाया गया। असम पुलिस ने कहा कि यह अभियान एबीटी प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी के करीबी सहयोगी मोहम्मद फरहान इसराक के निर्देशन में व्यक्तियों के एक समूह द्वारा गुप्त राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिए जाने के बारे में खुफिया सूचनाओं के आधार पर शुरू किया गया था। एबीटी भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा का सहयोगी है। पुलिस ने कहा कि बांग्लादेशी नागरिक को नवंबर में भारत भेजा गया था ताकि वह अपनी *घृणित विचारधारा* फैला सके और देश भर में स्लीपर सेल बना सके। वह इसी उद्देश्य से केरल जाने से पहले एबीटी के स्लीपर सेल कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए असम और पश्चिम बंगाल गया था। असम पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों से जब्त किए गए आपत्तिजनक दस्तावेज और तकनीकी साक्ष्य वाले मोबाइल फोन पिछले कुछ महीनों में सीमा पार बांग्लादेश और पाकिस्तान स्थित संस्थाओं के साथ उनके निरंतर संचार का संकेत देते हैं। पुलिस ने कहा कि इन स्लीपर सेल का उद्देश्य गुप्त परिचालन इकाइयों के रूप में काम करना था, जो विध्वंसक और हिंसक गतिविधियों के लिए तैयार थे। गिरफ्तार किए गए लोगों ने मोहम्मद साद रदी को उनके मिशन में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना, भर्ती करना और उन्हें प्रेरित करना शामिल था, जो समान कट्टरपंथी विचारधाराओं को साझा करते थे या उनमें रुचि रखते थे। असम पुलिस ने आगे कहा कि स्थानीय कमजोरियों, धार्मिक भावनाओं और दोष रेखाओं का फायदा उठाकर, उनका उद्देश्य एक ऐसा नेटवर्क बनाना था जो रडार के नीचे काम करने में सक्षम हो और अपने संगठन के व्यापक उद्देश्यों के प्रति वफादार रहे, ताकि भारत में व्यवधान और अराजकता पैदा की जा सके।

कांग्रेस कार्यकर्ता की ...

और प्रदर्शनों के लिए एक खास क्षेत्र पहले ही आवंटित किया जा चुका है। दरअसल, असम कांग्रेस ने बुधवार को *राजभवन चलो* रैली का आह्वान किया था। रैली के दौरान पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे जाने से एक कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। मृतक मृदुल इस्लाम असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के कानूनी प्रकोष्ठ के सचिव थे। असम के कामरूप जिले में बोको कस्बे से ताल्लुक रखने वाले इस्लाम पेशे से वकील भी थे। पुलिस की कार्रवाई से वह बेहोश हो गए और बाद में गुवाहाटी के एक अस्पताल में उनकी मौत हो गई। वहीं, प्रदर्शन को कवर कर रहे कई पत्रकार और कैमरामैन भी पुलिस कार्रवाई के दौरान घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुवाहाटी प्रेस क्लब के सदस्यों ने भी गुरुवार को प्रेस क्लब के सामने पुलिस द्वारा किए गए अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया, क्योंकि बुधवार को आंसू गैस के गोले दागे जाने के दौरान कई पत्रकार घायल हो गए थे। गौरतलब है कि विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने स्मार्ट मीटर लगाने, मणिपुर संकट पर संसद में चर्चा करने से केंद्र सरकार के इनकार और अडाणी समूह पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और संसद में *एक राष्ट्र, एक चुनाव* विधेयक के विरोध में बुधवार को देशभर में राजभवन चलो रैली का आयोजन किया था। हालांकि, असम कांग्रेस ने भाजपा पर अपने कार्यकर्ता इस्लाम की हत्या का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने उन्हें शहीद बताया है। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने कहा कि गृह मंत्रालय ने किसी भी प्रदर्शन या विरोध के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बहुत पहले ही मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कर दी है। सैकिया ने कहा कि एसओपी में विरोध प्रदर्शनों से निपटने के लिए कई कदमों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है और अत्यधिक बल का इस्तेमाल अंतिम उपाय के रूप में किया गया है, लेकिन असम में पुलिस ने विरोध की शुरुआत में ही अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया था। उन्होंने पुलिस के अत्याचारों को किसी भी लोकतांत्रिक विरोध या असहमति की आवाज को दबाने के लिए सरकार का नया कदम बताया।

विश्व शांति की बात ...

लेकिन, इसकी आड़ में अपने-अपने आधिपत्य स्थापित करने की लगातार कोशिश की जा रही है। हिंदू सेवा महोसत्सव में उन्होंने कहा कि विश्व शांति के बारे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़े ही भारी भरकम बातें की जाती हैं। भारत को हमेशा ही विश्व शांति के बारे में सुझाव दिया जाता रहा है। लेकिन, युद्ध भी नहीं रुक रहे हैं। हमें अक्सर अपने देश में अल्पसंख्यकों के बारे में चिंता करने का जिक्र किया जाता रहा है। जबकि, हम जब दुनिया में नजर दौड़ा रहे हैं तो बाहर अल्पसंख्यकों की स्थिति किसी से भी छिपी नहीं है। आरएसएस प्रमुख ने पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार हो रही हिंसा की घटनाओं के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया।

नए साल में चाय...

इजाफा हुआ है। इसी तरह, चीनी, गेहूं के आटे और कॉफी के उत्पादन पर भी महंगाई का असर देखा गया है। पारले प्रोडक्ट्स के वाइस प्रेसिडेंट मयंक शाह ने पुष्टि की है कि कंपनी अपने उत्पादों की नई कीमतों के साथ पैकेजिंग तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी उपभोक्ताओं की मांग को ज्यादा प्रभावित नहीं करेगी। वहीं, डाबर ने हेल्थकेयर और ओरल केयर उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, जबकि नेस्ले ने अपने कॉफी प्रोडक्ट्स में बढ़ोतरी की है। रिटेल डेटा के अनुसार, ग्रामीण इलाकों में बढ़ती मांग ने अक्तूबर 2024 में एफएमसीजी सेक्टर को 4.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दी थी, लेकिन नवंबर में बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। कंपनियों को उम्मीद है कि शहरी उपभोक्ता इन बढ़ी कीमतों को वहन कर पाएंगे।

बंगाल में निवेश ...

दिन है। इस परियोजना से हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। न्यूटाउन के हाथीशाला में इंफोसिस के दूसरे कैंपस का उद्घाटन हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाग लिया। ममता ने कहा कि बंगाल अब उद्योग के लिए आदर्श स्थान बन चुका है। कई कंपनियों ने बंगाल में उद्योग स्थापित किए हैं और आने वाले दिनों में और कंपनियां आएंगी। इनमें कई सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियां भी शामिल हैं। हमने अमेरिका की तर्ज पर यहां दो हजार एकड़ भूमि पर सिलिकॉन वैली स्थापित की है। इसमें 27 हजार करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, जिससे भविष्य में 75 हजार रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। इसके अलावा, राज्य में 22 आईटी पार्क भी स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मैं सत्ता में आई थी, तब राज्य में कोई अवसर नहीं था, लेकिन अब वह अवसर तैयार हो चुके हैं। आज बंगाल देश का एक प्रमुख आईटी हब बन चुका है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बंगाल में कुशल और अनुभवी कामकाजी लोग हैं। प्रतिभा के मामले में यहां के लोग राज्यों से आगे हैं। बंगाल के युवा विश्वभर के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। इस वर्ष भी लगभग 45 हजार से अधिक इंजीनियरों ने विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में काम करना शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए तेज गति वाली इंटरनेट सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। पहले अक्सर बिजली कटौती की घटनाएं होती थीं, लेकिन अब सरकार ने इस समस्या का समाधान कर लिया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बंगाल में बढ़ती हुई मांग, निरंतर और पर्याप्त बिजली की आपूर्ति, कामकाजी माहौल और कम उत्पादन लागत जैसी कई सुविधाएं हैं। इस कारण बंगाल में उद्योग के लिए एक अनुकूल ढांचा उपलब्ध है, और यही कारण है कि पश्चिम बंगाल देश के प्रमुख *आईटी हब* बन सका है। इसके बाद ममता ने कहा कि आप लोग बंगाल में और अधिक निवेश करें। सरकार हर तरह से सहयोग करेगी। उल्लेखनीय है कि न्यूटाउन के हाथीशाला में इंफोसिस का दूसरा कैंपस लगभग 17 एकड़ क्षेत्र में स्थापित किया गया है। कंपनी का दावा है कि इस नए कैंपस में 4,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। जानकार मान रहे हैं कि इस परियोजना से राज्य में नई उद्योग निवेश में एक बड़ा मोड़ आ सकता है।

पंचायत चुनाव पर ...

जवाबी हलफनामा दाखिल कर दिया है और याचिकाकर्ताओं के वकील ने मामले में अपने निर्देश पूरे करने के लिए कुछ समय मांगा है और अनुरोध किया है कि मामले को अगले महीने सूचीबद्ध किया जाए। राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता के. कोनवार और चुनाव आयोग की ओर से पेश आर. दुबे ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया कि चुनावों की अधिसूचना राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी की जाएगी। दुबे ने कहा कि प्रक्रिया चल रही है और मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। न्यायमूर्ति सैकिया ने आदेश में कहा कि ऐसी परिस्थितियों में, इस न्यायालय का मानना है कि मामले की तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है और इसलिए इसे 09.01.2025 को सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए अधिवक्ता ए.के. तालुकदार ने कहा कि इस आदेश के साथ, पंचायत चुनाव अब 10 फरवरी तक समाप्त नहीं हो सकते, क्योंकि सरकार इसे आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि मतदान और अधिसूचना जारी होने के बीच 45 दिन का समय अनिवार्य है और अब चूंकि मामला नौ जनवरी के लिए सूचीबद्ध है, इसलिए चुनाव आयोग के पास 10 फरवरी तक प्रक्रिया पूरी करने के लिए अपेक्षित समय नहीं होगा। तालुकदार ने कहा कि यह आदेश महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार चुनाव घोषित हो जाने के बाद, न्यायालय इसके संचालन में सहायता करने के अलावा इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

पोंजी घोटाला : सीबीआई ...

फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। पहले से ही आरोप पत्र में आरोपी मोनालिसा दास के खिलाफ अतिरिक्त सबूत भी शामिल किए गए हैं। सीबीआई ने आगे कहा कि असम सरकार द्वारा जांच अपने हाथ में लेने के अनुरोध के बाद यह मामला 14 अक्तूबर को दर्ज किया गया था। इस मामले को मूल रूप से असम पुलिस ने इस वर्ष 21 अगस्त को दर्ज किया था। यह मामला दीपांकर बर्मन की स्वामित्व वाली डीबी स्टॉक कंसल्टेंसी, उसकी करीबी सहयोगी मोनालिशा दास और संगठन के सात-आठ कर्मचारियों के खिलाफ था। आरोप है कि आरोपियों ने कई ग्राहकों से गारंटीड रिटर्न का वादा करके पैसे ऐंठे थे और सबूत के तौर पर 100 रुपए के स्टांप पेपर दिए थे। हालांकि, यह पता चला कि पिछले तीन महीनों में भुगतान अनियमित थे और कई ग्राहकों को उनका रिटर्न नहीं मिला। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि उसने एक करोड़ रुपए का निवेश किया तथा कई हजार ग्राहकों ने सामूहिक रूप से संगठन में हजारों करोड़ रुपए का निवेश किया, लेकिन आरोपी निवेश की गई राशि लेकर भाग गए। सीबीआई के अनुसार, जांच से पता चला कि डीबी स्टॉक कंसल्टेंसी उच्च निश्चित रिटर्न का वादा करके जनता से जमा स्वीकार कर रही थी। मालिकाना हक और उसके प्रमुख कर्मचारी पांच अनियमित जमा योजनाएं चला रहे थे, जो उच्च रिटर्न की पेशकश कर रही थीं। दीपांकर बर्मन के मालिकाना हक ने कथित तौर पर 400 करोड़ रुपए से अधिक की राशि एकत्र की थी।

इजरायल के खिलाफ ...

डी8 आर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोरऑपरेशन है। साल 1997 में मुस्लिम देशों की आर्थिक तरक्की के लिए बना ये समूह एक मामले में खास है कि केवल इन्हीं आठ देशों की कुल आबादी सवा अरब है, जो दुनिया की मुस्लिम आबादी के 60 फीसदी जितनी है। इसमें अरब देश जैसे सऊदी अरब, इराक, सीरिया, कतर और यूएई शामिल नहीं हैं। दक्षिण पूर्व एशिया से अफ्रीका तक फैले देशों का पहला एजेंडा आर्थिक बढ़त था। फिर इसमें सोशल मुद्दे भी शामिल होने लगे। इस बार इसमें ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन भी हिस्सा ले रहे हैं। ये एक दशक बाद किसी ईरानी लीडर की पहली इजिप्ट यात्रा है। जिसके कई मायने लगाए जा रहे हैं।

पाकिस्तान से उधार ...

करने पर उतर आए हैं। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। वहीं अब उसके कट्टरपंथियों का जहर खत्म नहीं हो रहा है। ऐसी बातें करने लगे हैं जिसे सुनकर आपको हंसी आ जाएगी। ऐसी ही कुछ बात बांग्लादेश की तरफ से की गई है। बांग्लादेश जैसा देश भारत जैसे पावरफुल देश को न्यूक्लियर की धमकी दे रहा है। ये धमकी बांग्लादेश के नेता और रिटायर्ड कर्नल ने दी है। जिन्होंने कहा है कि बांग्लादेश के दोस्तों के पास न्यूक्लियर बम है। अगर भारत ने परमाणु बम का इस्तेमाल किया तो बांग्लादेश की तरफ से भी परमाणु बम छोड़ा जाएगा। साथ ही धमकी देते हुए उन्होंने फिल्मी अंदाज में कहा कि दुश्मनी चाहते हैं तो दुश्मनी मिलेगी। इसके अलावा एक कट्टरपंथी ने ये तक कह दिया कि अगर भारत में मुसलमानों पर जुल्म हुआ तो बांग्लादेश के हिंदुओं को खत्म कर देंगे। बांग्लादेश जिन दोस्तों की बात कर रहा है उनमें चीन शामिल है। जिसकी तरफ मोहम्मद यूनुस लगातार झुकते जा रहे हैं। इसके अलावा इसमें पाकिस्तान भी शामिल है क्यों कि उसी के इशारे पर हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। यूनुस सरकार एक तरह से पाकिस्तान की कठपुतली बनी है।

चीन में उईगरों ने ...

बाद देश चीन के खिलाफ अपनी लड़ाई बढ़ाने के अपने चरम इरादे की घोषणा की है। खबरों के अनुसार, दिसंबर के महीने में हाल ही में जारी एक वीडियो में टीआईपी सेनानियों ने उरुमची, अक्सू और जैसे शहरों में अपना जिहाद जारी रखने की कसम खाते हुए बीजिंग के लिए एक गंभीर धमकी जारी की है। शिनजियांग में काशगर यह समूह कथित तौर पर चीनी उत्पीड़न से भागकर सीरिया में एक दशक से अधिक समय से सक्रिय है। द टेलीग्राफ ने दावा किया है कि तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी के हालिया प्रचार प्रयासों ने वास्तव में बशर अल-असद की सेनाओं के खिलाफ अन्य विद्रोही गुटों के साथ उनकी सैन्य क्षमताओं और भागीदारी को प्रदर्शित किया है। अब्द हक अल-तुर्किस्तानी नाम के उनके अमीर ने वास्तव में पूर्वी तुर्किस्तान को दमनकारी चीनी नियंत्रण से मुक्त कराने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। टीआईपी वास्तव में अपने संघर्ष को मुस्लिम स्वतंत्रता के लिए एक व्यापक जिहाद के हिस्से के रूप में चित्रित करता है, जबकि चीन में उइगरों के साथ चीनी अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले व्यवहार के खिलाफ शिकायतों को उजागर करता है, जिसमें बड़े पैमाने पर हिरासत और सांस्कृतिक दमन शामिल है।

स्कूल मेले में ...

ने एक दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए फेसबुक पर एक बयान जारी किया। यह घटना इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां भगदड़ मचने के कारण कई लोगों की जान चली गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस्लामिक हाई स्कूल बसोरुन में यह कार्यक्रम परिवारों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। हालांकि, कुछ कारणों से कार्यक्रम स्थल पर स्थिति अचानक अनियंत्रित हो गई और भगदड़ मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भारी भीड़ के बीच अव्यवस्था फैलने से लोगों ने अपना आपा खो दिया, जिससे यह त्रासदी हुई। गवर्नर सेई मकिंडे ने कहा कि यह एक अत्यंत दुखद घटना है, जिसमें हमने कई अनमोल जानें खो दी हैं। इस त्रासदी ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना के कारण जो परिवार और प्रियजन प्रभावित हुए हैं, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि कार्यक्रम के मुख्य आयोजकों की लापरवाही इस भगदड़ का प्रमुख कारण हो सकती है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने ...

जमकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मुंबई में सबसे पुरानी पार्टी के दफ्तर में तोड़फोड़ की। हालात बिगड़ने पर पुलिस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान डॉ. बीआर अंबेडकर को लेकर बयान दिया था, जिसपर सियासी विवाद छिड़ गया था। शाह ने कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है। अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। अंबेडकर का नाम सौ बार लें, लेकिन अंबेडकर के बारे में कांग्रेस पार्टी का भाव क्या है, ये मैं बताता हूं। शाह ने कहा था कि डॉ. अंबेडकर ने देश की पहली कैबिनेट से इस्तीफा क्यों दे दिया था। उन्होंने अनुसूचित जनजातियों से व्यवहार, अनुच्छेद 370 और देश की विदेश नीति से नाराजगी के चलते इस्तीफा दे दिया था। इस पर बीसी रॉय ने पंडित नेहरू को चिट्ठी लिखी कि अंबेडकर और राजाजी मंत्रिमंडल छोड़ेंगे तो क्या होगा? इसके जवाब में पंडित नेहरू ने लिखा था कि राजाजी के जाने से कुछ असर पड़ेगा, लेकिन अंबेडकर के जाने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि कांग्रेस के अंबेडकर के बारे में ये विचार रहे हैं। आज अंबेडकर को मानने वाले पर्याप्त संख्या में आ गए हैं इसलिए ये अंबेडकर-अंबेडकर कर रहे हैं। वोटबैंक के लिए कांग्रेस नेता आजकल अंबेडकर का नाम बार-बार लेते हैं। इसी बयान के बाद कांग्रेस भड़क गई और फिर सियासी विवाद बढ़ता चला गया।

रीट परीक्षा : आवेदन...

नहीं होनी चाहिए। परीक्षा के समय केंद्रों पर आवेदन में लगी फोटो एवं अभ्यर्थी के चेहरे का मिलान किया जाएगा। इसमें किसी तरह का अंतर पाए जाने पर बोर्ड इसकी जांच करेगा। कोई फर्जी अभ्यर्थी परीक्षा देता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड सचिव ने बताया कि बुधवार शाम तक लेवल एक में 15 हजार 570 एवं लेवल दो में 13 हजार 738 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। इनमें 1035 ऐसे अभ्यर्थी हैं जिन्होंने दोनों लेवल की परीक्षा देने के लिए आवेदन किया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि आवेदन सोच-समझकर एवं वास्तविक दस्तावेजों के आधार पर भरें। एक बार फार्म भरने के बाद अभ्यर्थी अपने स्तर पर संशोधन नहीं कर सकेंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जनवरी है। सचिव शर्मा ने बताया कि अभ्यर्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर क्लिक कर परीक्षा शुल्क जमा करवा कर आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क जमा कराने के बाद ही आवेदन की आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। रीट परीक्षा से संबंधित सभी जानकारियां माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थी समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। लेवल एक व दो के लिए 550 रुपए परीक्षा शुल्क रखा गया है।

काकोपथार में सड़क हादसे में पुलिस कांस्टेबल समेत तीन की मौत

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के काकोपथार के नबज्योति गांव में हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की जानें चली गईं, जिनमें एक महिला और अरुणाचल प्रदेश पुलिस का एक कांस्टेबल शामिल हैं। गुरुवार को पुलिस ने बताया कि यह हादसा उस वक्त हुआ जब एक हुंडई आई10 कार (एएस 01 एच– 0811), जिसमें तीन लोग सवार थे, काकोपथार के बाहरी इलाके में खड़े एक डंपर (एआर– 17– 5319) से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस कांस्टेबल नारायण दुबे, जो अरुणाचल प्रदेश का निवासी था, और डंपर का चालक को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि खराब दृश्यता और डंपर की गलत तरीके से पार्किंग इस दर्दनाक दुर्घटना का कारण हो सकते हैं। पुलिस हादसे के पीछे की सही वजह का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

कामरूप (मेट्रो) जिले में महिलाओं को ऋण मुक्त प्रमाण-पत्र

बाढ़ प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता और हिताधिकारियों को सीड कैपिटल का वितरण

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के शिक्षा, उद्योग, वित्त और राजस्व विभाग की योजनाओं के तहत *विकास के 12 दिन* अभियान के हिस्से के रूप में आज कामरूप (मेट्रो) जिले के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न प्रमाण पत्र और सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर गुवाहाटी जिला पुस्तकालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में असम सरकार के कृषि और आबकारी मंत्री तथा कामरूप (मेट्रो) जिले के प्रभारी मंत्री अतुल बोरा ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। मंत्री ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के तहत प्रारंभिक पूंजी प्रदान की और माइक्रोफाइनेंस सहायता योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को आर्थिक राहत दी। अपने संबोधन में मंत्री बोरा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम को देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल करने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की और असम को एक समृद्ध राज्य बनाने के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में 612 महिलाओं को *नो ड्यूज सर्टिफिकेट* (ऋण मुक्त प्रमाण पत्र), 986 बाढ़ प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता, और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण योजना के तहत 68 हिताधिकारियों को सीड कैपिटल प्रदान किया गया। कार्यक्रम में गुवाहाटी नगर निगम के महापौर मृगेन सरनिया, जिला आयुक्त सुमित सत्तावन, कामरूप (मेट्रो) जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज दास, जिला विकास आयुक्त परिजात भुइयां, उद्योग महाप्रबंधक उमेश कुमार, एलडीएम संतोष शर्मा, सहायक आयुक्त और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा लाभार्थी उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय असम सत्र महासभा का मध्यकालीन वार्षिक अधिवेशन शुरू

होजाई (निसं)। होजाई में पहली बार आयोजित होने जा रहा है असम सत्र महासभा का मध्यकालीन अधिवेशन। आयोजन समिति के अध्यक्ष शिलादित्य देव ने जानकारी देते हुए बताया कि 20, 21 और 22 दिसंबर को तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत असम सत्र महासभा का मध्यकालीन वार्षिक अधिवेशन होजाई जिला सत्र महासभा के तत्वाधान में होजाई स्थित गीता आश्रम के प्रांगण में आयोजित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि असम सत्र महासभा का मध्यकालीन वार्षिक अधिवेशन होजाई में होना एक गर्व की बात होगी। उन्होंने आगे कार्यक्रम के ऊपर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन तीन दिनों के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित होंगे जैसे कि वृक्षारोपण, सफाई अभियान, नाम प्रसंग, सामूहिक सभा, सांस्कृतिक शोभायात्रा आदि। उन्होंने बताया कि तीन दिनों के दौरान कई सत्रधिकारी, मंत्री व विशिष्ट जन कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

दिसपुर कैपिटल कांप्लेक्स में निषेधाज्ञा लागू

गुवाहाटी (हिंस)। असम की राजधानी दिसपुर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश गुवाहाटी के ईस्ट पुलिस डिस्ट्रिक्ट के उपायुक्त मृणाल डेका ने जारी किया है। प्रशासन ने विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलन के कारण संभावित अव्यवस्था की आशंका जताई है। इसी के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 का उपयोग करते हुए यह आदेश लागू किया गया है, जो अधिकारियों को सार्वजनिक शांति भंग करने वाली गतिविधियों और भीड़ को प्रतिबंधित करने का अधिकार देती है। आदेश के अनुसार, दिसपुर कैपिटल कांप्लेक्स के 1 किलोमीटर के दायरे में पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगाई गई है। इसके साथ ही, बिना अनुमति के विरोध-प्रदर्शन, जुलूस और नारेबाजी पर भी पाबंदी लगाई गई है। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि ऐसी गतिविधियों से कार्यालयों के कामकाज, यातायात, और सार्वजनिक शांति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह प्रतिबंध 19 दिसंबर से प्रभावी होगा और इसका उद्देश्य क्षेत्र में सामान्य जनजीवन को सुचारू बनाए रखना है। सार्वजनिक सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एक अधिकारी ने कहा कि शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ये कदम जरूरी थे। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सभी व्यक्तियों और संगठनों से अपील की है कि वे इन नियमों का पालन करें।

आनलाइन ट्रेडिंग घोटाला मामले में सुमी बोरा को मिली जमानत

गुवाहाटी (हिंस)। आनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के मामले में जेल में बंद रील हिरोइन सुमी बोरा को आज कोर्ट ने जमानत दे दी है। सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे अन्य सभी मामलों के आरोपियों को इसी बीच सीबीआई द्वारा निर्धारित समय सीमा के अंदर चार्ज शीट दाखिल नहीं किए जाने के कारण जमानत मिल चुकी है। सीबीआई के अंतिम मामले में गौहाटी उच्च न्यायालय ने सुमी बोरा को जमानत दे दी। ज्ञात हो कि जमानत मिलने के बावजूद जेल में ही रहेंगी सुमी बोरा। ट्रेडिंग घोटाले से जुड़े अन्य कई मामले सुमी बोरा के विरुद्ध विचाराधीन हैं। उल्लेखनीय है कि असमिया अभिनेत्री सुमी बोरा और उनके पति तार्किक बोरा 2, 200 करोड़ रुपए के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार हुए थे। सितंबर में, डिब्रूगढ़ में आत्मसमर्पण करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इस घोटाले के मुख्य आरोपी बिशाल फूकन के साथ उनके करीबी संबंध थे, जिन्होंने कथित रूप से सुमी की शादी पर पांच करोड़ रुपए खर्च किए थे। सुमी पर आरोप है कि उन्होंने असमिया फिल्म उद्योग में अपने संपर्कों का उपयोग करके फूकन की ऑनलाइन ट्रेडिंग योजना में निवेशकों को आकर्षित किया, जिससे उन्हें उच्च रिटर्न मिला। गिरफ्तारी के बाद, सुमी और उनके पति को डिब्रूगढ़ पुलिस को सौंपा गया, जहां उनसे विस्तृत पूछताछ की गई।

आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, गुवाहाटी में लैंप लाइटिंग स्नातक समारोह और वार्षिक दिवस का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग (एआईएन), गुवाहाटी के 2024 बैच के लैंप लाइटिंग समारोह, 2019 बैच के स्नातक समारोह और वार्षिक दिवस 2024 का आयोजन गुरुवार को ब्रह्मपुत्र हॉल, नारंगी कैंटोनमेंट में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 51 सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल आरडी शर्मा (चेयरमैन, एआईएन गुवाहाटी) थे। एआईआईएमएस गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक डॉ. (प्रो.) अशोक पुराणिक विशिष्ट अतिथि के रूप में इस दौरान उपस्थित रहे। 151 बेस अस्पताल के कमांडेंट बिग्रेडियर चेतन सूद (डायरेक्टर, एआईएन गुवाहाटी) और अन्य अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। एआईएन की स्थापना अगस्त 2006 में आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसाइटी के तहत एक पेशेवर कॉलेज के रूप में की गई थी। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र की सेना के कर्मियों और नागरिकों की बेटियों को नर्सिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर योग्य नर्स तैयार करना है। यह संस्थान इंडियन नर्सिंग काउंसिल, नई दिल्ली और असम नर्सिंग काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, असम से संबद्ध है। वर्तमान में यहां 254 छात्राएं बीएससी और एमएससी नर्सिंग कोर्स कर रही हैं। प्रभारी प्राचार्य कविता बैश्य ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष भी सभी स्नातक छात्राओं का 100 फीसदी प्लेसमेंट नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और गुवाहाटी के

प्रतिष्ठित अस्पतालों में हुआ। उन्होंने इसे संस्थान की उच्च प्रशिक्षण गुणवत्ता का प्रमाण बताया। लैंप लाइटिंग समारोह में नए बैच को नर्सिंग पेशे में शामिल किया गया। कर्नल सुजाता (प्रिंसिपल मैट्रन, 151 बेस अस्पताल) ने नर्सिंग शपथ दिलाई। स्नातक समारोह में विभिन्न पुरस्कार वितरित किए गए। मुख्य पुरस्कारों में वरुणा रानी: सीओएएस ऑल राउंड बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड और सिल्वर मेडल, सुमु सैकिया: जीओसी 101 रोलिंग ट्रॉफी (क्लिनिकल फील्ड में सर्वश्रेष्ठ), अर्पिता कुमारी: गोल्ड मेडल तथा तनुश्री सिंघा को ब्रांज मेडल प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में मेजर जनरल आरडी शर्मा ने नर्सों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और इस पेशे में अनुशासन और करुणा के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एशिया का सबसे बड़ा 19 किमी लंबा निर्माणाधीन धुबड़ी-फुलबाड़ी पुल का कार्य 54 प्रतिशत संपूर्ण

धुबड़ी (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नद पर निर्माणाधीन एशिया का सबसे बड़ा 19 किलोमीटर लंबा धुबड़ी-फुलबाड़ी पुल का कार्य 54 प्रतिशत कार्य संपूर्ण हो गया है। धुबड़ी-फुलबाड़ी पुल का कार्य संपूर्ण होने से मेघालय से व्यापार के क्षेत्र में बहुत उन्नति होने के साथ साथ-साथ असम होते हुए पड़ोसी देश भूटान और बांग्लादेश के बीच आवाजाही के साथ ही व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। ज्ञात हो कि धुबड़ी-फुलबाड़ी पुल के कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी के नेतृत्व में 24 सदस्यीय विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल योगीघोपा लॉजिस्टिक पार्क का निरीक्षण करने के बाद निर्माणाधीन धुबड़ी-फुलबाड़ी पुल का दौरा किया। दौरा के दौरान प्रतिनिधि दल ने पुल का निर्माण कर रही ठेकेदार कंपनी एल एंड टी के अधिकारियों के साथ बैठक की। निर्माण कार्य का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए विश्वजीत दैमारी ने कहा कि निर्माण कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं। धुबड़ी से फुलबाड़ी होते हुए मेघालय को जोड़ने वाले इस पुल के बन जाने पर व्यापार के क्षेत्र में बहुत उन्नति होगी। असम के जरिए भूटान और बांग्लादेश के साथ भी व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे।

गुवाहाटी में चार चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस की टीम ने चोरी के मामले में शामिल चार शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के गुरुवार को बताया कि बशिष्ठ थाना की एक ईजीपीडी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दो चोर लोंगाई के निवासी बिष्णु दास (31) और बाघमारा के निवासी राजा कलिता (33) को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों आरोपी ट्रक (एएस-01एचसी-8752) में 10 बड़ी लोहे की छड़ें ले जा रहे थे। जिसे चोरी कर लाया गया था। गिरफ्तार दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस की टीम ने साइकिल फैक्ट्री के पास एक डंप यार्ड की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने 40 किलोग्राम तांबे के तार, पीतल के बर्तन, 30 किलोग्राम एसी पाइप, सैनिटरी सामान, घरेलू बर्तन, कार्यशाला सामग्री आदि जब्त किया। अभियान के दौरान और दो चोर कासोमारा के निवासी सैजुद्दीन (45) और फकीरगंज के नजीर अली (38) को गिरफ्तार किया गया। घटना के संबंध में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू दी है।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में बरपेटारोड की बेटी लक्ष्मी प्रजापत ने अपना नाम दर्ज कराया

बरपेटारोड। बरपेटारोड की होनहार बेटी लक्ष्मी प्रजापत ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा और कड़ी मेहनत से इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराकर पूरे समाज को गौरवान्वित किया है। केवल 11 वर्ष की उम्र में शिव मानस मंत्र को महज 43 सेकेंड में शुद्ध उच्चारण के साथ वाचन कर लक्ष्मी प्रजापत ने ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया, जो प्रेरणा का स्रोत बन गया है। यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व का पल है। लक्ष्मी प्रजापत अनाराम प्रजापत एवं श्रीमती मोहिनी देवी प्रजापत की पौत्री और संपत कुमार प्रजापत एवं श्रीमती धनपति देवी प्रजापत की सुपुत्री हैं। वे बरपेटा रोड गीता अध्ययन शाला की मेधावी छात्रा हैं और अपने ज्ञान और समर्पण से हमेशा से अपने शिक्षकों और परिवार का नाम रोशन करती आई हैं। इस असाधारण उपलब्धि ने साबित कर दिया है कि सही दिशा और प्रयासों से कोई भी सपना सच किया जा सकता है। यह पल पूरे समाज के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। बरपेटारोड के सभी नागरिक इस उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और लक्ष्मी प्रजापत को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

भारतीय अटल सेना की राष्ट्रवादी महिला मोर्चा ने आमबाड़ी स्थित स्कूल में चार बेंच दिया

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा का अटल सेवा सप्ताह का दूसरा दिन आमबाड़ी तिनाली मै स्कूल में चार बेंच का सेट दिया 200 से अथिक बच्चों को खाना दिया गया। साथ में जूस भी वितरण किया गया। अध्यक्ष संतोष शर्मा के नेतृत्व में सभी शिक्षकों का समान किया गया। महामत्री डिंपल शर्मा कोषाध्यक्ष शांती कुंडलिया की उपस्थित में कार्यक्रम सयोजिका अनिता गुप्ता कविता बेड़िया पूजा अग्रवाल नितू गोयंका चिनू हवेलिया सुशीला अग्रवाल का भरपूर सहयोग मीलासभी सदस्यों की उपस्थिति सराहनीय रही।

उत्तर-पूर्वांचल लोक कल्याण समिति का सामूहिक विवाह संस्कार को लेकर सभा आयोजन

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ पौरसभा सभागृह में उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति के बिश्वनाथ जिला के सौजन्य में सामूहिक विवाह के संबंध में कल एक स्वागत समिति का गठन किया गया। जानकारी के अनुसार आगामी नई वर्ष व सन 2025 के 18 फरवरी तारीख में उक्त समिति द्वारा जनता के सहयोग से विश्वनाथ के साधारू लक्ष्मी पूजा प्रांगण में एक सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए सामूहिक विवाह समारोह का पूर्णांग स्वागत समिति गठित करके उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति के बिश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष रूप में क्रमश: भास्कर हाजरिका, सोमराम भगत और उपाध्यक्ष के रूप में अमरज्योति बरठाकुर, सचिव के रूप में दिगंत बरठाकुर, सहायक सचिव प्रांजल बसुमतारी, सहायक सचिव भारती भुइयां, कोषाध्यक्ष परी बरठाकुर, पंजीयन भास्कर वैश्य और नवजीत राजवंशी, अमन ताती, ईशान प्रतिम शेखिया और सुरेन कुटुम आदि को सदस्य निर्वाचित किया गया। यह विवाह समारोह उत्तर पूर्वी क्षेत्र लोक कल्याण समिति बिश्वनाथ में उन युवाओं

को विवाह संस्कार प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा जो वित्तीय और विभिन्न समस्याओं के कारण शादी करने की इच्छा के बावजूद सार्वजनिक रूप से शादी करने में असमर्थ थे। उत्तर पूर्वांचल लोक कल्याण समिति के विश्वनाथ जिला में नवगठित स्वागत समिति द्वारा सामूहिक विवाह संस्कार संपन्न होगा। विवाह समारोह उत्तर पूर्वी लोक कल्याण समिति की बिश्वनाथ जिला समिति द्वारा वैदिक, विधिपाठ, कच्चा सूत जलाना, भक्ति आदि विभिन्न तरीकों से आयोजित किया जाएगा। अत: आयोजन समिति सभी लोगों से सहयोग का करबद्ध अनुरोध करती है। बैठक में पूर्वोत्तर जन कल्याण समिति के सामूहिक विवाह प्रभारी युगेश शास्त्री, संस्कृत पंडित लोकनाथ शास्त्री समेत विश्वनाथ के कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

फकीराग्राम में लगी आग से मची अफरा-तफरी

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत फकीराग्राम बाजार में आज तड़के भीषण आग लगी। जिसके चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फकीराग्राम बाजार में लगी आग की घटना में एक किराने की दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गई। आग में जलकर राख हुई दुकान बदल साहा की थी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग और फकीराग्राम पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने के साथ-साथ स्थानीय पुलिस की एक टीम के साथ फकीराग्राम, कोकराझाड़ और सापटग्राम से पहुंची तीन अग्निशमन विभाग के वाहनों जरिए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग इतनी भयावह थी कि अग्निशमन दल को घंटों जद्दोजहद कर नियंत्रण पाने में सफलता मिली। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला सका है। हालांकि, स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली के शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की संभावना जताई गई है। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नाजिरा में ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। नाजिरा में गुरुवार की सुबह लगभग 11 बजे पुलिस ने ड्रग्स के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। घटना नाजिरा शहर के बीचोंबीच ओएनजीसी (असम एसेट) के मुख्य कार्यालय के सामने हुई। नाजिरा आदर्श पुलिस थाने की एक टीम ने दोनों युवकों पर शक होने पर उनका पीछा किया। भागने की कोशिश कर रहे युवकों को स्थानीय लोगों की मदद से पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान नाजिरा निवासी बितोपन उर्फ दीप बोरा और गड़गांव निवासी हेमंत मेच के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से ड्रग्स और सिरिंज बरामद की।

संपादकीय

कितना, कहां तक हिमाचल

प्रासंगिकता के कई प्रश्नों से रूबरू हिमाचल को अपने औचित्य और अनुचित व्यवहार पर गंभीरता से सोचना होगा। हर खेल सियासी नहीं हो सकता और न ही सियासत ही सफलता का ध्येय होना चाहिए, लेकिन हिमाचल अब हर कदम पर राजनीतिक दिशा-निर्देश देखने लगा है। नए कार्यालयों, नए बस डिपो, नए सरकारी होटलों, नए डाक बंगलों, नई सड़कों और नए जुमलों की जमीन पर राजनीति की ही खेती होने लगी है, वरना क्यों सरकारी इमारतों में छात्रों की कमी, सरकारी बसों में यात्रियों की कमी और दफ्तरों की खाली कुर्सियों के आगे आशाओं की कमी हो जाती। ऐसे में जब तपोवन में शीतकालीन सत्र का आगाज विपक्ष के विरोध से सराबोर हो जाता है, तो कहीं प्रदेश मुंह छुपा रहा होता है। इस सारे शोर के बीच वह अर्जी भी नजर आती है जहां पांच सौ करोड़ का और ऋण उठाया जा रहा है, ताकि सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह और सेवानिवृत्ति के बाद की पेंशन को बांटा जा सके। आखिर कितनी चिलम पीता है तेरा खजाना, हम इस धुएं की खातिर ही सुलग रहे हैं। इसी बीच कई फैसलों की लौ के बीच आशा यही कि सुशासन की तालीम में जनता की मुराद पूरी हो। लेकिन सपने अब ढोंग करते हैं। हमेशा विपक्ष की आरजू में देखें तो सरकारों के कठोर फैसले रहम नहीं खाते और सत्ता से पूछें तो राज्य का सरकारी ढांचा फिजूलखर्ची के बिना चल नहीं सकता। वर्तमान सरकार के आने पर डिनोटिफिकेशन के पंजे ने अप्रासंगिक संस्थानों के दरवाजे बंद कर दिए, लेकिन खिड़कियों ने फिर से ताले खोलने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में अप्रासंगिक कौन और क्यों नहीं, हम विचार कर पाते कि हमारी आर्थिक क्षमता और जरूरत के लिए किस सबब से उधार की व्यवस्था को अंत तक ढोना है। हम एक बार फिर विधानसभा सत्र की गरिमा से पूछेंगे कि सत्ता और विपक्ष के बीच कितना हिमाचल और कहां तक हिमाचल देखा जा रहा है। एक ओर कर्मचारी अपनी कॉडर विसंगतियों के बावजूद अपने वेतन-भत्तों की समांतर रेखाएं खींचने पर उतारू और दूसरी ओर सरकारी कार्य संस्कृति के हर पहलू में रिसाव से तंग जनता सिर्फ राजनीतिक बदलावों से अपनी चुनावी भूमिका में मशरूफ। हर चुनाव पहले से मगरूर और हर सत्ता पहले से क्रूर। क्रूर इसलिए क्योंकि बहस के समय में आम जनता के प्रश्नों का कचूमर होते देखा जाता है और चर्चाएं गौण हो जाती हैं। क्या प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर पक्ष-प्रतिपक्ष के मजमून और मुद्दे, सदन के भीतर आत्मचिंतन करेंगे या वहां हिमाचल के भविष्य के प्रश्नों पर विचार होगा। आश्चर्य यह कि न सरकार के फैसलों की राह सदन में जवाबदेह है और न ही विपक्ष का विरोध प्रदेश के साथ वहां प्रवेश करता है। उदाहरण के लिए पिछली सरकारों ने शहरी निकायों की सीमा बढ़ाई, तो यह दस्तूर आज भी जारी है और अब राज्य में नए नगर निगम तक बन गए, लेकिन शहरी विकास मंत्रालय का दायरा व वित्तीय व्यवहार वहीं का वहीं ही रहा। सीमेंट उत्पादन करके भी हिमाचल के विकास को सदा महंगी होती बोरी मिल रही है। यह हर सरकार का दस्तूर है, इसलिए चर्चा बेकसूर है। आश्चर्य यह कि राजनीतिक वचन और वादे अपनी फेहरिस्त में सरकारें बना रहे हैं, लेकिन सरकारों की निरंतरता में न काम जारी रहते और न ही योजनाएं। पूरे प्रदेश का सर्वेक्षण करें तो शिलान्यासों के अनेक खंजर चुभे मिलेंगे और आधी-अधूरी इमारतों के खंडहर मजबूर मिलेंगे। इसलिए तपोवन के सत्र को अपने से कुछ दूर कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के हर पहलू पर दिल व जिगर का हवाला देना है, तो जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की खराब हुई मिट्टी की वजह भी बतानी है।

नए कार्यालयों, नए बस डिपो, नए सरकारी होटलों, नए डाक बंगलों, नई सड़कों और नए जुमलों की जमीन पर राजनीति की ही खेती होने लगी है, वरना क्यों सरकारी इमारतों में छात्रों की कमी, सरकारी बसों में यात्रियों की कमी और दफ्तरों की खाली कुर्सियों के आगे आशाओं की कमी हो जाती। ऐसे में जब तपोवन में शीतकालीन सत्र का आगाज विपक्ष के विरोध से सराबोर हो जाता है, तो कहीं प्रदेश मुंह छुपा रहा होता है। इस सारे शोर के बीच वह अर्जी भी नजर आती है जहां पांच सौ करोड़ का और ऋण उठाया जा रहा है, ताकि सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह और सेवानिवृत्ति के बाद की पेंशन को बांटा जा सके। आखिर कितनी चिलम पीता है तेरा खजाना, हम इस धुएं की खातिर ही सुलग रहे हैं। इसी बीच कई फैसलों की लौ के बीच आशा यही कि सुशासन की तालीम में जनता की मुराद पूरी हो। लेकिन सपने अब ढोंग करते हैं। हमेशा विपक्ष की आरजू में देखें तो सरकारों के कठोर फैसले रहम नहीं खाते और सत्ता से पूछें तो राज्य का सरकारी ढांचा फिजूलखर्ची के बिना चल नहीं सकता।

अन्तर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस- 20 दिसम्बर 2024 पर विशेष

समर्थ लोग निर्बल लोगों को स्नेह-सहयोग दें

ललित गर्ग

> संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। इस दिवस को मनाते हुए हर व्यक्ति शिक्षा में योगदान देकर, गरीबों या शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम लोगों की मदद करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

लोगों के बीच एकजुटता के महत्व को बताने, गरीबी पर अंकुश लगाने, दुनिया भर में गरीबी उन्मूलन के लिए नए रास्तों की तलाश करने, विकासशील देशों में मानव और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने, शांति एवं सौहार्दपूर्ण जीवन को संभव बनाने, सरकारों को अंतराष्ट्रीय समझौतों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की याद दिलाने एवं पूरी दुनिया में, विशेष रूप से विकासशील देशों में सहयोग, शांति, सह-जीवन, समानता और सामाजिक न्याय की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने 22 दिसंबर 2005 को यह दिवस मनाने की घोषणा की थी। इस दिवस को विश्व एकजुटता कोष और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा बढ़ावा दिया जाता है, जो दुनियाभर में गरीबी उन्मूलन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर केंद्रित हैं। इस दिवस को मनाते हुए हर व्यक्ति शिक्षा में योगदान देकर, गरीबों या शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम लोगों की मदद करके अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों को सतत विकास लक्ष्य के गरीबी और अन्य सामाजिक बाधाओं का जवाब देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विविधता में एकता दर्शाने, सतत विकास के लिए लोगों, सरकारों को प्रेरित करने, लोगों को गरीबी, भुखमरी, बीमारियों से बाहर निकालने के लिए इस दिवस का विशेष महत्व है। इसमें भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ है भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को मानव एकता की दृष्टि से एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, "संयुक्त राष्ट्र के निर्माण ने विश्व के लोगों और राष्ट्रों को एक साथ शांति, मानवाधिकारों और सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए आकर्षित किया। संगठन की स्थापना अपने सदस्यों के बीच एकता और सद्भाव के मूल आधार पर की गई थी, जो सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा में व्यक्त

की गई थी, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपने सदस्यों की एकजुटता पर निर्भर करती है।" अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस सतत विकास एवं समतामूलक विकास के एजेंडा पर आधारित है, जो अपने आप में गरीबी, भूख और बीमारी जैसे कई दुर्बल पहलुओं से लोगों को बाहर निकालने के लिए केंद्रित है। 'मिलेनियम डिक्लेरेशन' को ध्यान में रखते हुए, एकजुटता को 21वीं सदी में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूलभूत मूल्यों में से एक माना जाता है, जिसके तहत कम से कम लाभ उठाने वाले और सबसे अधिक मुश्किलों का सामना करने वाले लोग उन लोगों की मदद के योग्य होते हैं जिन्हें सबसे अधिक लाभ मिलता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा भी है कि एक व्यक्ति तब तक जीना शुरू नहीं करता जब तक वह अपनी व्यक्तिगत चिंताओं के संकीर्ण दायरे से ऊपर उठकर समस्त मानवता की व्यापक चिंताओं तक नहीं पहुंच जाता। आज समूची दुनिया में मानवीय एकता एवं चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं-जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है। महात्मा गांधी ने कहा है कि आपको मानवता में विश्वास खोना नहीं चाहिए। मानवता एक महासागर है। यदि महासागर की कुछ बूंदें गंदी हैं, तो भी महासागर गंदा नहीं होता है।' ऐसे ही विश्वास को जागृत करने के लिये ही विश्व मानव एकता दिवस की आयोजना की गई है। गरीबी का कारण हिंसा, आतंक, अप्रामाणिकता, संग्रह, स्वार्थ, शोषण और क्रूरता आदि हैं, इनके दंश मानवता को मूर्च्छित कर रहे हैं एवं मानव एकता की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। इस मूर्च्छा को तोड़ने के लिए अहिंसा, सह-जीवन, सौहार्द, शांति और सह-अस्तित्व का मूल्य बढ़ाना होगा तथा सहयोग एवं संवेदना की पृष्ठभूमि पर स्वस्थ समाज-संरचना की परिकल्पना को आकार देना होगा। दूसरों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशीलता मानव एकता का आधार तत्व है। जब तक व्यक्ति अपने अस्तित्व की तरह दूसरे के अस्तित्व को अपनी सहमति नहीं देगा, तब तक वह उसके प्रति संवेदनशील नहीं बन पाएगा। जिस देश और संस्कृति में संवेदनशीलता का स्रोत सूख जाता है, वहाँ मानवीय रिश्तों में लिजलिजापन आने लगता है। अपने अंग-प्रत्यंग पर कहीं प्रहार होता है तो आत्मा आहत होती है। किंतु दूसरों के साथ ऐसी घटना घटित होने पर मन का एक कोना भी प्रभावित नहीं होता। यह संवेदनहीनता की निष्पत्ति है। इस संवेदनहीन मन की एक वजह सह-अस्तित्व का अभाव भी है। नेल्सन मंडेला ने कहा है कि हमारी मानवीय करुणा हमें एक दूसरे से जोड़ती है-दया या संरक्षण के भाव से नहीं, बल्कि ऐसे मानव के रूप में जिसने सीख लिया है कि कैसे अपने साझा दुख को भविष्य के लिए आशा में बदला जाए। आज हम इतने संवेदनशून्य हो गये हैं कि औरों का दुःख-दर्द, अभाव, पीड़ा, औरों की आहें हमें कहीं भी पिघलाती नहीं। देश और दुनिया में निर्दोष लोगों की हत्याएं, युद्ध की विभीषिकाएं, हिंसक वारदातें, आतंकी हमले, अपहरण, जिन्दा जला देने की रक्तरंजित सूचनाएं, महिलाओं के साथ व्यभिचार-बलात्कार की वारदातें पढ़ते-देखते हैं पर मन इतना आदती बन गया कि यूं लगता है कि यह सब तो रोजमर्रा का काम है।

दृष्टि कोण

आर्थिक रोडमैप के साथ दिल्ली से लौटे दिसानायके

सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि कॉमरेड दिसानायके ने अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए भारत को चुना। इससे हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा आएगी।' मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच ग्रिड इंटरकनेक्टिविटी संपर्क और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। दिसानायके की पार्टी, 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) की मार्क्सवादी विचारधारा में जड़ें होने के कारण नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा हुई थीं, कि उनका झुकाव चीन की ओर होगा। लेकिन, कोलंबो में 'सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स' के कार्यकारी निदेशक पैकियासोथी सरवनमुट्टू के अनुसार, 'नई दिल्ली को अपना पहला विदेशी पड़ाव बनाकर उन्होंने संकेत दिया, कि भारत वास्तव में हमारा सबसे करीबी सहयोगी होगा। यह इस यात्रा का प्रतीकात्मक आयाम है।' सबसे दिलचस्प यह है कि दिसानायके की रविवार से आरम्भ तीन दिवसीय भारत यात्रा पर चीन से अधिक, अमेरिका की नजर रही है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की दिल्ली यात्रा से दस दिन पहले, दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के अमेरिकी सहायक मंत्री डोनाल्ड लू, अमेरिकी वित्त विभाग में एशिया-प्रशांत के उप सहायक मंत्री रॉबर्ट कैप्रोथ, और अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) में एशिया ब्यूरो की उप सहायक प्रशासक अंजलि कौर कोलम्बो आये, और उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या, विदेश रोजगार-पर्यटन मंत्री विजिता हेराथ के साथ चर्चा की। अंजलि कौर ने यूएसएआईडी परियोजनाओं को अमल करने में अमेरिकी रुचि का इजहार किया। मतलब, अमेरिका ने बता दिया कि हिन्द महासागर में श्रीलंकन सहयोग हमें मिलते रहना चाहिए। सोमवार को नई दिल्ली में दिसानायके का दिया बयान महत्वपूर्ण है, 'हमने दो साल पहले एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना किया था, और भारत ने उस दलदल से बाहर निकलने में हमारा भरपूर समर्थन किया था।' इस समय श्रीलंका के लिए लाइन ऑफ़ क्रेडिट (देय भुगतानों) से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है। दिसानायके ने इसके लिए 20.66 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने के लिए, भारत सरकार को धन्यवाद दिया, जिससे उन पर ऋण बोझ काफी कम हो गया। नई दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा, 'हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी भूमि का किसी भी तरह से उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, जो भारत के हित के लिए हानिकारक हो।' श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत को हमारा समर्थन और सहयोग निरंतर मिलेगा।' सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स के कार्यकारी निदेशक सरवनमुट्टू के अनुसार, 'श्रीलंका को भारत और चीन के बीच संतुलन बनाना है, लेकिन दिसानायके बहुत व्यावहारिक हैं। वे कट्टर वामपंथियों की तरह विचारक नहीं हैं। वह जानते हैं कि भारत उसका सबसे करीबी और मुसीबत में मददगार पड़ोसी है। चीन भी श्रीलंका में है।' लेकिन इस सवाल पर कि क्या चीन को बड़ी हिस्सेदारी मिलेगी? सरवनमुट्टू बोलते हैं, 'मुझे नहीं लगता, कि ऐसा जरूरी होगा।' राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके की यात्रा से पहले, कोलंबो की ओर से स्पष्ट किया गया कि अडानी समूह द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह परियोजना को हमें आगे बढ़ाना है। इससे पहले दिसानायके के कार्यालय ने कहा था, कि हम अडानी परियोजना की समीक्षा करेंगे, क्योंकि हमसे यह छिपाया था कि भारत में एक विशाल सौर ऊर्जा परियोजना को कथित तौर पर 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत योजना के तहत सुविधा प्रदान की जा रही थी। बहरहाल, 'अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड' के शेयर मंगलवार सुबह से चर्चा में हैं। क्योंकि, अडानी समूह की इस कंपनी ने कहा है कि वह अमेरिकी फंडिंग की मांग नहीं करेगी। इसके बजाय, श्रीलंकाई बंदरगाह परियोजना के लिए अपने संसाधनों का इस्तेमाल करेगी। अडानी पोर्ट्स ने कहा कि श्रीलंका में कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) परियोजना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है, और अगले साल की शुरुआत तक चालू होने की राह पर है। अडानी पोर्ट्स ने कहा, 'हमने डीएफसी से वित्तपोषण के लिए, अपना अनुरोध वापस ले लिया है।' अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ अनिल सरदाना ने बताया, 'श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों मन्नार और पूनरी में 500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना प्राप्त कर रहे हैं।' मंगलवार को श्रीलंकाई कैबिनेट द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह की अक्षय ऊर्जा इकाई अडानी ग्रीन एनर्जी को फरवरी, 2023 में 442 मिलियन डॉलर निवेश करने, और मन्नार शहर और पूनरी गांव में 484 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र विकसित करने की मंजूरी मिली थी, जो दोनों श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में स्थित हैं।' अडानी समूह कोलंबो में श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह पर 700 मिलियन डॉलर की टर्मिनल परियोजना के निर्माण में भी शामिल है। सितंबर 2021 में शुरू की गई 'सीडब्ल्यूआईटी' परियोजना, श्रीलंका के बंदरगाह क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है। 35 साल के समझौते की कीमत 1 बिलियन डॉलर है। यह टर्मिनल श्रीलंका की सबसे बड़ी और सबसे गहरी कंटेनर सुविधा वाली होगी, जो अल्ट्रा लार्ज कंटेनर वेसल्स को संभालने में सक्षम है।

कुछ अलग

नींद का रोग

हमने सुना था एक दिन ऐसा भी आएगा जब हम जश्न मनाएंगे। आजकल पौराणिक ग्रन्थों में से सब शब्दों के अर्थ ढूंढने का प्रयास होता है। जश्न का अर्थ बताओ? एक मसनद के साथ बड़े अमीर बैठे हैं। उनके पास छोटे अमीर उमरा बैठे हैं। तश्तरी पर पान की बीड़े, हुक्के की नेच एक मुंह से दूसरे मुंह में। सामने एक दो शीना सुंदर नर्तकी नाच रही है। मय के प्याले छलक रहे हैं। उमर ख्याम होते तो दो-चार रुबाइयां और कह देते। रात बहती जा रही है किसी चांदी के झरने सी। अमावस की रात होती है, यह चांदी का झरना कहां से आ गया? अरे चांदी का झरना नहीं यहां तारों की शाल भी है। मियां सोना यहां निचाट फुटपाथ, पत्थरों की सेज पर ऐसे सपने? सपने तो ऐसी सेजों पर ही देखे जाते हैं। मखमली गद्दों पर उन्हें नींद कहां आती है? वह कहानी नहीं सुनी क्या? कौनसी? एक राजकुमारी को मखमली गद्दों पर नींद नहीं आती थी। राजवैद्य ने सुझाया, उनके नीचे एक नहीं, दो नहीं, आठ मखमली गद्दे बिछा दो। नींद दौड़ी चली आएगी। दूसरा बोला- इन पर नींद की दवा का इत्र छिड़क दो, नींद दौड़ी चली आएगी। लीजिए जनाब, गद्दे आ गए। नींद की दवा भी छिड़क दी गई। राजकुमारी को नींद फिर भी नहीं आई। क्या कारण है, क्या रोग है? अमीर उमरा एक-दूसरे से पूछने लगे, तभी एक सियाना सामने आया। कहने लगा, ऐसा कि इस कोमल कली को नींद नहीं आएगी। आओ, इसका रहस्य तलाश करें। गद्दे उठवाए गए। एक-दूसरे के बाद तीसरा गद्दा। आठों गद्दे उठ गए। सबसे निचले गद्दे के नीचे एक मटर का दाना पड़ा हुआ था। राजकुमारी को भला कैसे नींद आ जाती। आखिर ऐश्वर्य का आदी कोमल बदन। मटर की चुभन सह न सका। सारी रात करवटें बदलते ही बीत गई। दूसरी ओर देश के फुटपाथों, झुग्गी-झोंपड़ियों की टूटी छतों के आरपार निकल जाते हैं। कहीं भी एक जगता हुआ बशर नहीं मिलता। सब घुक सोये हैं। नीचे पत्थरों की सेज चुभ रही है, कोई परवाह नहीं। ऊपर टूटी छत है तो उसमें से धारसार पानी बरस रहे हैं, कोई परवाह नहीं। बरसों पहले किसी ने आधी रात के गजर के साथ स्वाधीनता की घोषणा करते हुए कहा था, 'लो सुबह हो गई। अब तुम्हारी जिंदगी से सब अंधेरे छंट गए। प्रभात की रोशनी तुम्हें नहला देगी।' वे इंतजार कर रहे हैं। इस बीच 33 करोड़ से एक सौ तीस करोड़ हो गए। रात की रानी उनसे रूप बदल-बदल कर आंख-मिचौली खेलती रही। कभी कहती धन और धरती बंट के रहेगी। समाजवाद आएगा, सबके लिए रोटी लाएगा। कभी किसी सदाबहार शायर की लय में कह जाती, 'जिस खेत से दहकां के मयस्सर न हों रोटी, उस खेत के हर गोशाये गंदम को जला दो।' लीजिये रोटी भरपेट तो मयस्सर नहीं हुई। बारह माह हाड़ तोड़ने के बाद अब किसान मजदूर गलबहियां डाल कर पत्थरों की सेज बनाए हैं। आज गहरी नींद सो रहे हैं। किसी क्रांतिगाद पर नहीं जागते। परंतु साहब ऐसी मौतों को कौन गिनता है। सब बदहजमी से मरे खाते में जाएगी। उधर राजकुमारी को नींद नहीं आई, क्या उसके गद्दों के नीचे व मटरों के दाने से मजदूर अवसादग्रस्त होकर सो रहे थे, कि अब मरेंगे तभी उठेंगे। और यह राजकुमारी व्यर्थ डर रही थी कि कहीं यह मजदूर उठ गए तो उसका क्या होगा? राजकुमारी का डर लगाना। उधर मजदूरों की नींद को और गहरा करने के लिए महाआमन्त्रण के सामन्तों ने मजदूरों को बता दिया कि नई रौशनी तुम्हारे अंधेरे दरीचों से झांकेगी, हम इन बड़ी-बड़ी अट्टालिकाओं वालों का काला धन नामंजर कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले कि मुद्रा अमान्य हो जाती, उसे बैंकों में जमा करवा के सफेद बना दिया गया। मजदूर कैसे उठता? वे निराश होकर चिरनिद्रा में गए।

देश दुनिया से

शिक्षण के क्षेत्र में रोजगार से पाएं सम्मान

शिक्षा और रोजगार का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है। वर्तमान दौर में उत्तम शिक्षा इनसान को कौशल, दक्षता, निपुणता और ज्ञान से परिपूर्ण बनाकर नौकरी में सफलता पाने के लिए तैयार करती है। इस प्रगतिशील आधुनिक युग में बेहतरीन तकनीकी शिक्षा हासिल कर कोई भी कहीं भी, किसी भी रोजगार के क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकता है, जबकि उच्च शिक्षा के अभाव में अनेकों लोग अच्छे वेतन वाली नौकरियां पाने से वंचित रह जाते हैं। अगर आप शिक्षा अथवा अध्यापन के क्षेत्र में नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो आप अध्यापन के क्षेत्र में शिक्षक बनकर, स्कूल, कॉलेज खोलकर, सरकारी नौकरी करके, कोचिंग संस्थान खोलकर अच्छी आजीविका कमा सकते हैं। कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, लाइब्रेरियन बनकर अथवा कौशल विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण स्कूल खोलकर भी रोजगार प्राप्ति की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। आज भारत में डिजिटल, ऑनलाइन और कोचिंग शिक्षा का बाजार अपनी जड़ें जमा चुका है। 6-18 वर्ष के आयुवर्ग की विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या होने के कारण, भारतीय शिक्षा क्षेत्र में यह कारोबार दोगुनी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। आकाश, बायजू और खान सर जैसे अनेकों शिक्षण/कोचिंग संस्थान जो कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली, पटना और पूरे भारत के बड़े शहरों में फैले हुए हैं, लाखुब रुपए कमा रहे हैं और इन संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों को भी अच्छी सैलरी मिल रही है। पुणे स्थित कंसल्टेंसी फर्म इंफिनियम ग्लोबल रिसर्च की मानें तो मौजूदा समय में भारत के कोचिंग उद्योग का बाजार राजस्व 58088 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। इस इंडस्ट्री के 2028 तक 133955 करोड़ रुपए तक पहुंच जाने का अनुमान है। भारत में प्रत्येक चार में से एक बच्चा कोचिंग अथवा ट्यूशन ले रहा है। आप शिक्षक बन सकते हैं क्योंकि यह बहुत ही आदर का पद भी है। अगर आपने किसी विषय में पढ़ाई की है और आवश्यक पात्रता परीक्षाएं यथा टेट/नेट/सेट आदि योग्यता धारक हैं तो आप अध्यापक/प्रोफेसर बन सकते हैं। शिक्षक न केवल प्रेरणा स्रोत होते हैं, बल्कि वे छात्रों को अपने ज्ञान एवं अनुभव से शिक्षित करते हैं, योग्य बनाते हैं। शिक्षक बनने के लिए आपके पास विषय ज्ञान, पढ़ाने की क्षमता, दक्षता और योग्यता होनी चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां आप सम्मान के साथ-साथ अच्छे रुपए भी कमा सकते हैं। भारतवर्ष के प्रायः सभी राज्यों में प्राइवेट स्कूलों एवं कालेजों की भरमार है और उनको कमाई भी खूब हो रही है। इसके अतिरिक्त सरकारी नौकरी पाना लगभग सभी शिक्षित युवाओं का सपना होता है क्योंकि इसमें आपका भविष्य भी सुरक्षित रहता है। आज छोटे छोटे गांव कस्बों में भी कम्प्यूटर शिक्षण सिखलाई के केंद्र खुल चुके हैं। आज के समय में कंप्यूटर शिक्षा नए रोजगार के दरवाजे खोल रही है जिससे आप लाभान्वित हो सकते हैं। इस क्षेत्र में सॉफ्टवेयर इंजीनियर, हार्डवेयर इंजीनियर, नेटवर्क इंजीनियर, डेटा एनालिस्ट/साइंटिस्ट, वेब डेवलपर और डिजाइन इंजीनियरिंग के अलावा कुछ अन्य क्षेत्र हैं जहां शिक्षा प्राप्त कर आप बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा पुस्तकालय में काम करने वाले लाइब्रेरियन के रूप में भी शुरुआत की जा सकती है। आजकल डिजिटल और ऑनलाइन लाइब्रेरी का प्रचलन भी खूब बढ़ गया है। ग्राम, स्कूल, कॉलेज, महाविद्यालय, यूनिवर्सिटी और जिला स्तर पर पुस्तकालय शिक्षार्थियों को खूब आकर्षित करते हैं और वैसे भी वास्तविक ज्ञान पुस्तकों में ही मिलता है, न कि सोशल मीडिया में। कौशल विकास संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जैसे कि तकनीकी कौशल, कंप्यूटर ज्ञान, फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटीपार्लर, सिलाई कटाई की सिखलाई, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, वेल्डिंग आदि व्यावसायिक और कला संबंधित कौशल से युवाओं को स्वरोजगार हेतु तैयार कर समाज को सौंपते हैं। ये स्कूल आमतौर पर सरकारी या निजी निकायों द्वारा संचालित होते हैं और अधिकांश मामलों में प्रमाणित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते हैं जो छात्रों को नौकरी में सफलता प्राप्त करने के काम आते हैं। विश्व बैंक द्वारा किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि वर्तमान में दुनिया में शिक्षकों की कुल संख्या लगभग आठ करोड़ पचास लाख से अधिक है। यूनेस्को का एक अन्य अध्ययन बताता है कि 2000 और 2019 के बीच दुनिया भर में शिक्षकों की संख्या में 50 फीसदी की वृद्धि हुई है। नवीनतम यूडीआईएसई रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान समय में भारत में 9507123 स्कूल शिक्षक हैं। भारत में 4882446 शिक्षक सरकारी स्कूलों में कार्यरत हैं, जबकि 3540647 शिक्षक निजी स्कूलों में कार्यरत हैं। भारत में सबसे अधिक शिक्षकों वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। इस राज्य में 1507828 स्कूल शिक्षक हैं। शिक्षकों की सबसे कम संख्या लक्षद्वीप में है, जहां केंद्र शासित प्रदेश में केवल 806 शिक्षक हैं। भारत में महिला-पुरुष शिक्षक विभाजन के अनुसार महिला शिक्षकों की संख्या 48.76 लाख तथा पुरुष शिक्षकों की संख्या 46.30 लाख है, तथा महिला शिक्षकों की संख्या पुरुष शिक्षकों से अधिक है। भारत में कुल शिक्षकों में से 73.04 प्रतिशत ग्रामीण स्कूलों में पढ़ाते हैं। शिक्षण एक महान पेशा रहा है और रहेगा क्योंकि सुशिक्षित अध्यापक न केवल विरासत में प्राप्त विद्या को अपने शिष्यों तक पहुंचाते हैं बल्कि नवीन ज्ञान, पद्धतियों से अपने शिष्यों के लिए सफलता के द्वार भी खोलते हैं और जब उनके शिष्य जीवन में सफल होते हैं तो स्वाभाविक प्रसन्नता भी गुरुओं को ही होती है और गुणी एवं योग्य शिक्षक ही समाज एवं देश में यश प्राप्त करते हैं, पूजे जाते हैं। शास्त्रों में वर्णित भी है कि, 'विद्वत्वं च नृपत्वं च न एव तुल्ये कदाचन। स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान्‌ सर्वत्र पूज्यते॥' अर्थात बुद्धि और राज्य की तुलना कभी नहीं की जा सकती। राजा का सम्मान उसके अपने देश में होता है, जबकि बुद्धिमान व्यक्ति का सम्मान हर जगह होता है।

आप का नजरीया

दानव नहीं नशेबाज

बीते सोमवार सुप्रीम कोर्ट ने नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में संवेदनशील व्यवहार व मानवीय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। इस मुहिम से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अदालत ने दोटूक शब्दों में कहा कि नशे की लत के शिकारों का दानवीकरण करने के बजाय उनके उपचार व पुनर्वास को प्राथमिकता बनाया जाए। यह हकीकत है कि हाल ही के वर्षों में विभिन्न घातक नशीले पदार्थों का प्रयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन ऐसे लोगों के प्रति समाज में दुराग्रहपूर्ण नकारात्मकता होती है। समाज को ऐसे लोगों की पहचान संवेदनशील ढंग से करके, उन्हें इस लत से बचाने के लिये मनोवैज्ञानिक प्रयास करने चाहिए। निस्संदेह, कठोर व्यवहार करने से यह समस्या और जटिल हो जाती है। चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में नशे की दलदल के विस्तार की खबरें आ रही हैं। लेकिन उस अनुपात में सरकारों की तरफ से इस चुनौती के मुकाबले युद्धस्तर पर पहल होती नजर नहीं आ रही है। वहीं समाज की उदासीनता भी चिंता बढ़ाने वाली है। निस्संदेह, हमें नशे करने वालों को खतरनाक व्यक्ति के रूप में देखने के बजाय, समाज की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए। समाज के कठोर व तिरस्कारपूर्ण व्यवहार के चलते नशे के शिकार लोग और गहरी दलदल में उतरते चले जाते हैं। यदि हम इन युवाओं में नशे की दलदल से निकलने इच्छाशक्ति पैदा करें तो नशे के खिलाफ हमारी जंग कामयाब हो सकती है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि उनके प्रति नकारात्मक धारणा व उपेक्षा से उपजे मनोवैज्ञानिक द्वंद्व से व्यक्ति गहरे नशे की ओर उन्मुख हो जाता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब हमने वर्ष 2047 तक नशामुक्त भारत बनाने का लक्ष्य रखा है तो उसे पाने के लिये कारगर रणनीति अपनाने की भी जरूरत है। विशेषकर सामाजिक स्तर पर व्यापक व्यावहारिक पहल, जो जमीनी स्तर पर बड़े बदलाव का वाहक बन सके। यह तार्किक है कि सुप्रीम कोर्ट की पीठ को कहना पड़ा कि नशे की लत के शिकार लोगों को अपराधी की तरह देखना गलत है। निश्चित रूप से विभिन्न हितधारकों मसलन केंद्र व राज्य सरकारों, नागरिक समाजों, परिवारों व शैक्षणिक संस्थानों को संकट से निपटने के लिये खुलकर की जाने वाली चर्चाओं पर ध्यान देना चाहिए। इसके विपरीत यदि हम उन्हें अपराधियों की तरह देखते रहे तो उन्हें हम पतन के गर्त की ओर उन्मुख कर देंगे। हम स्वीकार करें कि देश के युवाओं के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है। उन्हें करुणा और संवेदनशीलता की दृष्टि से देखे जाने की जरूरत है ताकि उन्हें अपनी स्थिति पर आत्ममंथन का मौका मिल सके। दरअसल, नशे के शिकार ये लोग इस नशे की नदी की छोटी मछलियां हैं। बड़ी मछलियां तो नशीली दवाओं के व्यापारी और तस्कर हैं। जो एक फलते-फूलते अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। जो कानून व पुलिस की गिरफ्त में आने से बचने के लिये धनबल से तमाम तरीके इजाद कर लेते हैं। इसे पंजाब के हालात के रूप में भी देखा जाना चाहिए। दरअसल, यह सीमा पार से चलाया जा रहे नशे के चक्रव्यूह में फंस रहा है। साल की शुरुआत में अत्यधिक नशे की डोज से मरने की घटनाओं से पंजाब हिल गया था।

गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर बसपा अध्यक्ष मायावती ने जाहिर की नाराजगी

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने भारत के गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता और दलितों व अन्य उपेक्षित वर्गों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में संसद में अमित शाह द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों से बाबा साहब की गरिमा और अस्तित्व को गहरी ठेस पहुंची है। पूरे देश में उनके अनुयायियों में जबरदस्त गुस्सा है। उन्हें अपने ये शब्द वापस लेने चाहिए और इसके लिए पश्चाताप भी करना चाहिए। पार्टी अध्यक्ष मायावती ने कहा कि भाजपा हो या फिर कांग्रेस हो, सभी दल अभी भी बाबा साहब का सम्मान नहीं करते। उनका सम्मान भी छलावा रहा है। जैसा देखने को मिलता है, यह सभी पार्टियां बाबा साहब का नाम इस्तेमाल कर सिर्फ वोटरों को लुभाने में लगी रहती हैं। मैं वर्तमान पार्टी को भी चेतावनी दे रही हूं कि अगर बाबा साहब के नाम का इस्तेमाल कर वोट के लिए राजनीति बंद नहीं की गई तो इनका भी विरोध देश में हमारी पार्टी को करना पड़ेगा। अगर बसपा नहीं होती तो यह बाबा साहब का नाम मिटा देते। मायावती ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान निर्माण में रहे बाबा साहब अंबेडकर के योगदान को भी मिटाने की पूरी कोशिश की। कांग्रेस पार्टी जरूर कामयाब हो जाती, कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए अगर कांशीराम ने अपना पूरा जीवन नहीं दिया होता तो जिस मंजिल तक पहुंचाने के लिए मुझे भी अपनी पूरी जिंदगी समर्पित करनी पड़ी। हमने साम, दाम, दंड, भेद और हथकंडों का मुकाबला करते हुए डटकर सामना किया है। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी किस्म किस्म के हाथकंडे अपनाती रही जबकि यूपी में बसपा के नेतृत्व में रही सरकार ने दिल्ली के नजदीक नोएडा में और लखनऊ में बाबा साहब के सम्मान में स्मारक और पार्क बनाए हैं। उनके नाम पर यहां

अनेक जनहित की योजनाएं शुरू की हैं। जिनमें से कुछ को बाद में समाजवादी पार्टी की सरकार में बदल भी दिया। जो इनके बाबा साहब के प्रति नफरत को भी दर्शाता है। कांग्रेस के साथ मिलकर सपा हवा-हवाई की बात कर रही है। अन्य महापुरुषों गुरुओं को भी बाबा साहब के साथ-साथ पूरा आदर सम्मान किया गया है, हमने जो काम किए हैं बाबा साहब के सम्मान में उसे लेकर सबकी नींद उड़ी हुई है। उनके अनुयायियों के वोटों को लुभाने के लिए जो दलित तोरण ने पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। उनके अनुयायियों के वोटों को लुभाने के लिए बीजेपी को भी मजबूर होकर अपने दिल पर पत्थर रखकर उनके सम्मान में कुछ कदम भी उठाने पड़े। मायावती ने कहा कि बाबा साहब ने कहा था कि कांग्रेस कभी भी माफ करने लायक पार्टी नहीं है। इस पार्टी से दलित वर्गों के लोग कभी भी जुड़ने की कोशिश न करें। जिसका कांग्रेस ने कदम-कदम पर मेरा अपमान किया। मुझे इस पार्टी ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया। चौबीस कानून संविधान में उनके हितों में बनाए गए हैं, उसे भी लागू नहीं होने दिया। इनका चाल चरित्र चेहरा अभी तक बदला नहीं है। इन सब मामलों में भाजपा भी हमें कोई पीछे नहीं नजर आती है। यह पार्टी भी इन वर्गों के वोटों को लुभाने के लिए आए दिन सियासत करती रहती है। इस चक्कर में यह पार्टी खुद ही अपने जंजाल में बुरी तरह फंस गई है।

भाजपा आंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ा रही : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को दिल्ली दौरे के दौरान कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाबासाहेब के अंत्योदय के विचार को लेकर चलती है। बाबासाहेब हमेशा दलित, पिछड़े वर्ग एवं अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति के उत्थान की बात करते थे। उन्होंने कहा कि भाजपा बाबासाहेब के दिखाए रास्ते पर आगे चल रही है। सदन में गृहमंत्री अमित शाह की बात से कांग्रेस तिलमिला गई है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबासाहेब आंबेडकर का सम्मान कभी नहीं किया। बाबासाहेब ने कैबिनेट से इस्तीफा क्यों दिया, बाबासाहेब को कांग्रेस ने टिकट क्यों नहीं दिया, बाबासाहेब ने चुनाव लड़ा तो कांग्रेस ने विरोध क्यों किया, बाबासाहेब को कांग्रेस ने भारत रत्नों क्यों नहीं दिया, पंचतीर्थों के विकास का काम क्यों नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबासाहेब के पंचतीर्थों का निर्माण कर उनके योगदान को देश के सामने रखा।

पंजाब में चल रहे किसान आंदोलन को भाकियू करेगी समर्थन : राकेश टिकैत

फतेहपुर (हिंस)। जिले में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत ने खागा मंडी समिति में एक किसान महापंचायत में हिस्सा लेने आये। इस दौरान उन्होंने पंजाब में चल रहे किसान के आंदोलन को अपना समर्थन देने की बात कही। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि देश में पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए रणनीति बनाई जा रही है, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। एमएसपी गारंटी कानून के लिए किसान बड़ी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने नस्ल और फसल दोनों को बचाने की अपील करते हुए कहा कि सरकार की नीतियां किसानों को बरबाद करने के लिए लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार झूठ बोल रही है, सच तो यह है कि सरकार का एजेंडा केवल हिंदू और मुस्लिम को बांटने का है। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के अंबेडकर वाले बयान पर भी हमला करते हुए कहा कि सरकार इतिहास और संविधान बदलने की कोशिश कर रही है। टिकैत ने आरोप लगाया कि पुरानी धरोहरों को नष्ट करने की साजिश की जा रही है।

थप्पड़कांड में भाजपा नेता को तीन साल की जेल

कोटा (हिंस)। ढाई साल पूर्व उप वन संरक्षक (डीसीएफ) को थप्पड़ मारने के मामले में भाजपा के पूर्व विधायक को तीन साल की जेल हुई है। एससी-एसटी कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत और भाजपा कार्यकर्ता महावीर सुमन को डीसीएफ को थप्पड़ मारने का दोषी माना। दोनों को तीन-तीन साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई है। फैसले के बाद मीडिया से बातचीत में राजावत ने कहा कि वे हाईकोर्ट में अपील करेंगे। मामला मार्च 2022 का है। तब दाव देवी माता मंदिर रोड पर यूआईटी की ओर से करवाए जा रहे पेचवर्क को वन विभाग ने रुकवाया था। इस बात से नाराज होकर 31 मार्च 2022 की दोपहर 3:30 बजे पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत समर्थकों के साथ राजभवन रोड स्थित वन विभाग के ऑफिस में गए थे। तत्कालीन डीसीएफ रविकुमार मीणा राजावत को कुर्सी पर बैठने और चाय पीने का आग्रह करते रहे। बातचीत के दौरान राजावत ने डीसीएफ रविकुमार को थप्पड़ मार दिया था। रविकुमार ने कोटा के नयापुरा थाने में भवानी सिंह राजावत, भाजपा कार्यकर्ता महावीर सुमन सहित 10-15 लोगों पर थप्पड़ मारने, धक्का-मुक्की करने और राजकार्य में बाधा के आरोप लगाए थे। राजावत एक अप्रैल 2022 को गिरफ्तार हुए। दस दिन जेल में रहे थे। बाद में उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, तब से जमानत पर थे। कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए भवानी सिंह राजावत व महावीर सुमन को राजकार्य में बाधा डालने और थप्पड़ मारने के मामले में दोषी माना। तीन-तीन साल कारावास की सजा सुनाई। 30-30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। राजावत के वकील पृथ्वीराज शेखावत ने बताया कि कोर्ट में हमने सजा सस्पेंशन एप्लिकेशन लगाई थी। जिसे कोर्ट ने स्वीकार किया। कोर्ट ने सस्पेंशन अपील के लिए एक महीने का वक्त दिया है। कोर्ट के फैसले के बाद राजावत ने मीडिया से कहा कि मैंने उसको कहा था नादानी मत करो। मैंने केवल कंधे पर हाथ रखा था। उसने मुझ पर थप्पड़ मारने का आरोप लगा दिया। मुझे कोर्ट पर भरोसा था। आज कोर्ट ने फैसला दे दिया। कोर्ट ने धारा-3 में बरी कर दिया। थप्पड़ मारने के मामले में हाईकोर्ट में अपील करूंगा। मुझे भरोसा है, मेरे साथ न्याय होगा।

पैंतालीस वर्षों की राजनीतिक विफलता को छिपाया पूर्व मंत्री कल्ला ने : राजकुमार किराडू

बीकानेर (हिंस)। भाजपा नेता राजकुमार किराडू ने गुरुवार को कहा कि पूर्व शिक्षा मंत्री व बीकानेर से छह बार विधायक रहे डॉ. बीडी कल्ला ने पैंतालीस वर्षों की उनकी राजनीतिक विफलता को छुपाया है। सही मायनों में शहर का कोई विकास उनके कार्यकाल में नहीं हुआ था। स्कूल, कॉलेज खोलना और पुलिया बनाना जो पिछले कई सालों से वे गिनवा रहे हैं वो समय की आवश्यकता थी, जिसे भी जरुरत अनुसार भी पूरा नहीं कर पाए। आज कोटा, अजमेर और जोधपुर के मुकाबले बीकानेर अगर पिछड़ा हुआ है तो इसके जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ डॉ. कल्ला ही है। यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में किराडू ने कहा कि कल्ला की राजनीति में कोई विजन और दूरदर्शिता नहीं है। उन्होंने पूरी जिंदगी रेल बाईपास की पैरवी की और ऐसा क्या

हुआ कि उन्हें पिछले चुनाव की आचार-संहिता से दस दिन पहले कोटगेट अंडरपास की घोषणा करवानी पड़ी। मुख्य कारण केवल और केवल वोट बैंक मैनेजमेंट ही था। किराडू ने कल्ला को सलाह दी कि खुद को परम विद्वान बताने वाले और शास्त्रार्थ में कोई बराबर नहीं होने का दावा करने वाले कल्ला अब घर में बैठकर माला जपें। उन्हें जनता पूरी तरह नकार चुकी है। पिछले चार में से तीन चुनाव हारना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। वे खुद की जगह युवाओं को आगे बढ़ाएं। उन्होंने यह भी कहा कि बीकानेर संभाग में कांग्रेस का लोकसभा उम्मीदवार सबसे अधिक मतों से बीकानेर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में ही पीछे रहा। कभी कल्ला ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली। कुल मिलाकर बीकानेर की जनता कल्ला और उनके झूठे दावों को पूरी तरह नकार चुकी है। उनका राजनीति में कोई भविष्य बचा नहीं है।

तख्त दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत की सेवाएं दो सप्ताह के निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह की सेवाओं पर दो सप्ताह के लिए रोक लगा दी है। ज्ञानी हरप्रीत सिंह अब बतौर तख्त जत्थेदार काम नहीं करेंगे। गुरुवार को लुधियाना के समराला स्थित कटाना साहिब में हुई एसजीपीसी की बैठक में यह फैसला लिया गया। एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी के एसजीपीसी प्रधान बनने के बाद यह पहली बैठक थी। एसजीपीसी ने बैठक को लेकर पहले एजेंडा साफ नहीं किया था। बैठक में फैसला लिया गया कि तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह की सेवाओं पर दो सप्ताह के लिए रोका जाए। इस दौरान श्री दमदमा साहिब के हेड ग्रंथी ही जत्थेदार की सेवा को निभाएंगे। इसके साथ ही वल्टोहा-जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के बीच हुए विवाद की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो जल्द ही अपनी रिपोर्ट तैयार कर एसजीपीसी को देंगे। इसकी अध्यक्षता रघुजीत सिंह विर्क करेंगे और उनके साथ शेर सिंह मंड और दलजीत सिंह भिंडर को भी शामिल किया गया है।

कांग्रेस की पीढ़ियों ने अंबेडकर को अपमानित किया : नायब सैनी

कैथल (हिंस)। सीएम नायब सिंह सैनी गुरुवार को पूंडरी की नई अनाज मंडी में विधायक सतपाल जांबा द्वारा आयोजित धन्यवाद रैली में पहुंचे। रैली में बोलते हुए सीएम नायब सैनी ने कहा कि डॉ. भीम राव अंबेडकर को कांग्रेस की पीढ़ियों ने अपमानित करने काम किया है। अमित शाह कांग्रेस के उस चेहरे को बेनकाब कर रहे थे, जिस चेहरे के साथ कांग्रेस ने 55 वर्षों तक अपमानित किया और वो इसका पर्दाफाश कर रहे थे। इस पर कांग्रेसियों ने हल्ला मचा दिया। अगर कांग्रेस इसी तरह झूठ का सहारा लेती रही तो 2029 में इनका कोई नाम लेने वाला नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि हमारी तीसरे कार्यकाल वाली सरकार पूंडरी में तीन गुणा अधिक गति से कार्य करेगी। पूंडरी के विकास के लिए हमारी सरकार ने 108 घोषणाएं की थीं, जिनमें से 91 घोषणाएं पूरी हो चुकी हैं और 6 पर गति से कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री ने पूंडरी के विकास के लिए घोषणा करते हुए कहा कि हमने उपमंडल बनाने वाली एक कमेटी बनाई है, अगर उसकी रिपोर्ट सही आती है तो पूंडरी को उपमंडल का दर्जा दे दिया जाएगा।

पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा साहिबजादा दिवस : बलदेव

लखनऊ (हिंस)। प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख द्वारा गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर सिक्ख समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ आगामी 26 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास पर मनाए जाने वाले साहिबजादा दिवस की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। औलख ने बताया कि यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा। औलख ने बताया कि साहिबजादा दिवस की तैयारी को लेकर प्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सिक्खों के 10 वें गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादे बाबा फतेह सिंह और जोरावर सिंह की शहादत के सम्मान में प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को साहिबजादा दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि साहिबजादा दिवस का यह कार्यक्रम प्रदेश भर में मनाया जाएगा। इस अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परवेंदर सिंह, गुरुद्वारा आलमबाग के प्रधान निर्मल सिंह, दिलप्रीत सिंह तथा लखविंदर सिंह सहित सिख समुदाय के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं का उग्र प्रदर्शन

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ में कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन का पुतला फूंका और पुलिस के तानाशाही रवैए के विरुद्ध उग्र प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत पर गुस्सा व्यक्त करते हुए लखनऊ पुलिस को हत्यारा पुलिस तक कहते हुए नारेबाजी की। प्रभात पांडेय अमर रहे अमर रहे नारा लगा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंका तो पुलिसकर्मियों ने उसे बुझाने की कोशिश की। इस दौरान आयुक्त कार्यालय में तैनात एक पुलिसकर्मी के पैर में आग लग गई। जिसे तत्काल ही पानी डालकर बुझाया गया और घायल पुलिसकर्मी को सिविल अस्पताल उपचार के लिए भेजा गया। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी बंद नहीं की तो

पुलिसकर्मियों से धक्का मुक्की भी हुई। इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय पर ग्यारह बजे के करीब प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय सहित तमाम पदाधिकारियों ने कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत पर शोक सभा की। शोक सभा के दौरान तमाम कांग्रेस पदाधिकारियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की। पदाधिकारियों ने शोक सभा में भी कहा कि प्रदेश सरकार के इशारे पर उनके कार्यकर्ता को मौत की नींद सुलाई गई है। पुलिस की जांच केवल एक छलावा है। वहीं हुसैनगंज थाने से समुचे प्रकरण की विवेचना देख रहे निरीक्षक शमशेर बहादुर सिंह ने कांग्रेस कार्यालय पर पदाधिकारियों से कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत से संबंधित बिंदुओं पर पूछताछ की।

इंडिया इंडस्ट्रीयल फेयर को मिला मिराज ग्रुप का साथ

उदयपुर (हिंस)। लघु उद्योग भारती उदयपुर के तत्वावधान में उदयपुर में होने जा रहे 11वें इंडिया इंडस्ट्रीयल फेयर 2025 को मिराज ग्रुप का भी साथ मिला है। मिराज ग्रुप के एमडी मदन पालीवाल ने इस इंडस्ट्रीयल फेयर के आयोजन को उदयपुर के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर बताया है। मेला संयोजक तरुण दवे ने बताया कि उदयपुर इकाई अध्यक्ष मनोज जोशी, गिर्वा इकाई उपाध्यक्ष मुकेश सिन्हा, चिराग वजावत, मादड़ी इकाई से प्रवीण सुथार ने पालीवाल को फेयर के बारे में संपूर्ण जानकारी प्रदान की, उदयपुर के प्रमुख उद्योग जो इस मेले में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे उनके बारे में बताया। मिराज ग्रुप प्रमुख ने कहा कि इस फेयर से जुड़ना उनके लिए भी अहम होगा, मेवाड़ की युवा प्रतिभाओं को यह मेला नई ऊर्जा प्रदान करेगा। मेवाड़ के विकास से जुड़े इस कार्य से वे अलग रह ही नहीं सकते। दवे ने बताया कि उदयपुर के उद्यमियों के लिए आयोजित इस मेले को कार्यकारिणी सदस्यों सहित बड़ी संख्या में उद्यमी इस फेयर को उदयपुर के इतिहास का स्वर्णिम पन्ना बनाने में जुटे हैं। प्रचार एवं संपर्क संयोजक महेंद्र चौहान तथा मुकेश गुरानी के साथ यशवर्धन खंडेलवाल जोरशोर से इस आयोजन के प्रचार प्रसार में जुटे हुए हैं। फेयर में स्टॉल्स की बुकिंग लगातार जारी है और आधी से ज्यादा जगह बुक हो चुकी है। जयपुर, भीलवाड़ा, अजमेर व राजस्थान

के अन्य जिलों सहित देश के अन्य जिलों से भी लघु उद्यमी फोन कर इसकी जानकारी जुटा रहे हैं और इसमें भागीदारी के प्रति उत्साह दिखा रहे हैं। यह मेला एमएसएसमी उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित होगा और रोजगार सृजन के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि 11वां इंडिया इंडस्ट्रीयल फेयर आगामी 10 से 13 जनवरी 2025 तक उदयपुर के डीपीएस के मैदान में होने जा रहा है। मेले में स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के व्यापारी और उद्योगपति भाग लेंगे, जहां विभिन्न उत्पादों और तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच दिलाना, उद्योगों के बीच व्यापारिक साझेदारी और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना व स्थानीय उद्यमियों और कारीगरों को अपनी रचनात्मकता और उत्पादों का प्रदर्शन करने का मंच देना है। इस आयोजन के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को *वोकल फॉर लोकल* के तहत वैश्विक मंच प्रदान करने की पहल की जा रही है।

खनौरी बार्डर पर अनशन कर रहे डल्लेवाल हुए बेहोश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खनौरी बार्डर पर पिछले 24 दिन से आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की गुरुवार को अचानक तबियत बिगड़ गई। दोपहर को डल्लेवाल का बीपी अचानक लो हो गया और उल्टी के बाद वह बेहोश गए। डल्लेवाल की तबियत बिगड़ते ही वहां मौजूद डाक्टरों के हाथ-पांव फूल गए। डाक्टरों ने उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर जाने की सलाह दी। डॉक्टरों के प्राथमिक उपचार के करीब दस मिनट बाद डल्लेवाल को होश आ गए। होश में आने के बाद डल्लेवाल ने कहा कि वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सर्वोच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखना चाहते हैं। डल्लेवाल की तबियत बिगड़ने की सूचना मिलते ही पंजाब पुलिस के आलाधिकारी भी खनौरी पहुंच गए और अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर तैनात कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने मौजूद किसान नेताओं से डल्लेवाल की तबियत को लेकर बातचीत की।

खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जिला गुरदासपुर की एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला किया गया है। बीते 26 दिन में यह छठी घटना है। बुधवार की रात हुए इस हमले की जिम्मेदारी गुरुवार को खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली है। इससे पूर्व भी गुरदासपुर व अमृतसर में ग्रेनेड हमले व धमाके की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस इस मामले में चुप है। जानकारी के अनुसार भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब के गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते कलानौर कस्बे की बख्शीवाल चौकी पर बीती रात ग्रेनेड फेंका गया। इस धमाके में कोई जनहानि नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह ग्रेनेड ऑटो में सवार व्यक्ति ने फेंका है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। गुरुवार को दिन में बख्शीवाल चौकी में आलाधिकारी पहुंचे, लेकिन किसी ने भी हमले को लेकर अधिकारिक बयान नहीं दिया।

नवाचार एवं उद्यमिता : सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी परिप्रेक्ष्य विषयक अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस शुरू

बीकानेर (हिंस)। बीकानेरी भुजिया और पापड़ पर नवाचार कर उनकी फ्रेशनेस की अवधि बढ़ाने का काम किया जा सकता है। यह बात दिल्ली से आए ज्ञान संप्रभुता केंद्र के सचिव विनीत गोयनका ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय और बेसिक पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को शुरू *नवाचार एवं उद्यमिता- सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी परिप्रेक्ष्य* विषयक अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में कही। सेमिनार में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वक्ता, उद्योगपति, शिक्षाविद, शोधार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता और विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि ज्ञान संप्रभुता केंद्र के सचिव गोयनका ने कहा कि बीकानेरी भुजिया और पापड़ को वृहद स्तर पर लाने के लिए नवाचार की आवश्यकता है, जिसके अंतर्गत यदि बीकानेरी भुजिया और पापड़ की फ्रेशनेस की अवधि बढ़ा दी जाए तो उसका उत्पादन और ज्यादा बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि बीकानेर को हैरिटेज दृष्टि से बढ़ाने के लिए भी नवाचार की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि अमेरिका के डयूश बैंक के निदेशक पंकज ओझा ने नवाचार को सूक्ष्म स्तर पर बताते हुए उद्यमिता की आवश्यकता व नवाचार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत में टेलेंट बहुत है। उन्हें आवश्यकता है अच्छे प्लेटफार्म की। उन्होंने कई स्टार्टअप्स के बारे में जिक्र किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि सेमिनार बीकानेर के विकास व नवाचार में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि बीकानेर के विकास के लिए वह हर समय उपलब्ध हैं और सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए कार्य करने का तत्पर है। उन्होंने इस सेमिनार में आए आगुन्तकों का अभिवादन किया और कहा कि बीकानेर ऐतिहासिक नगरी है, यहां व्यापार व नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। अध्यक्षता करते हुए महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने बताया कि बीकानेर में फूड टेस्टिंग लैब और मिल्क टेस्टिंग लैब की आवश्यकता है। यह दो लैब होने पर बीकानेर में नवाचार के कई नए आयाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न सत्रों, पैनल चर्चाओं और शोध प्रस्तुतियों के माध्यम से नवाचार और उद्यमिता के सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रभावों पर चर्चा की जाएगी वो काफी सार्थक होगी। कांफ्रेंस संयोजक एवं महाविद्यालय प्राचार्य

डॉ. सुरेश पुरोहित ने सेमिनार की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में वैश्विक विचारधाराओं और अनुभवों को एकजुट करना है। यह मंच विचारों और समाधानों को एक नया आयाम देने का कार्य करेगा। आयोजन सचिव डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में भारत के साथ अमेरिका, यूएसए, यूके, कनाडा, नीदरलैंड, जापान, तुर्की और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के विशेषज्ञ भागीदारी निभा रहे हैं। सेमिनार के सह-समन्वयक डॉ. रविन्द्र मंगल ने बताया कि सेमिनार में प्रथम दिन तीन सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम सत्र में डॉ. मनमोहन सिंह यादव ने सेशन की अध्यक्षता की वहीं राजेन्द्र जोशी ने कॉ-चेयरमेन की भूमिका निभाई। वहीं ऑनलाइन माध्यम से भारत की इनोवेशन सेल के निदेशक मोहित गंभीर ने अपना विशेष व्याख्यान दिया। इस सत्र में कोटा यूनिवर्सिटी के स्किल सेंटर की डायरेक्टर डॉ. अनुकृति शर्मा तथा एनआईटी दिल्ली के डॉ. उज्जवल कल्ला ने अपना विशेष व्याख्यान दिया। वहीं ईसीबी के एसोसिएट व्याख्याता डॉ. गौरव बिस्सा ने भी अपने विचार रखे। युवा शिक्षाविद् अमित व्यास ने बताया कि सेमिनार के दूसरे सत्र में राजकीय डूंगर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र पुरोहित ने सत्र की अध्यक्षता की। मध्यप्रदेश के सागर विश्वविद्यालय के डॉ. मानवेन्द्र सिंह ने कॉ-चेयरमेन की भूमिका निभाई। इस सत्र में डॉ. नरेंद्र भोजक और देव अरस्तु ने अपना व्याख्यान दिया। ऑनलाइन माध्यम से लंदन से विषय विशेषज्ञ डॉ. ओम कुमार हर्ष ने अपने विचार रखे। तीसरे सत्र की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य डॉ. शिशिर शर्मा ने की ओर डॉ. राकेश हर्ष ने को- चेयर की भूमिका निभाई। विद्याबाड़ी की प्राचार्य डॉ. पुनीता सोनी और डॉ. अमित व्यास ने अपना व्याख्यान दिया। एमजीएसयू की अस्टिेंट प्रोफेसेर डॉ. मेघना शर्मा ने अपना विशेष व्याख्यान दिया।

पाकिस्तान में कटासराज दर्शन के लिए रवाना हुआ 72 श्रद्धालुओं का जत्था

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय श्रद्धालुओं का एक जत्था गुरुवार को अमृतसर स्थित अटारी-बाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में कटासराज दर्शन के लिए रवाना हुआ। देशभर से 72 श्रद्धालु इस बार पाकिस्तान यात्रा पर गए हैं। गुरुवार को देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए श्रद्धालु अमृतसर के दुर्गियाना तीर्थ पर इकठ्ठा हुए, जहां प्रधान लक्ष्मीकांता चावला के नेतृत्व में उन्हें पाकिस्तान की धार्मिक यात्रा के लिए रवाना किया गया। यह जत्था 25 दिसंबर को भारत वापस लौटेगा। इस दौरान दुर्गियाना तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री लक्ष्मी कांता चावला ने कहा कि टाटा नगर से शिव परिवार ग्रुप आज कटासराज की यात्रा के लिए पाकिस्तान रवाना हो रहा है। 72 हिंदू श्रद्धालु जो भारत के अलग-अलग राज्यों से आए हैं, वे पाकिस्तान स्थित अपने गुरुधामों के दर्शनों के लिए जा रहे हैं। कुल 116 लोगों ने पाकिस्तान की यात्रा के लिए वीजा अप्लाई किया था, लेकिन 82 लोगों को ही वीजा मिला सका है।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोने-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। सोने की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना भी 77,990 रुपये से लेकर 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,500 रुपये से लेकर 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना भी 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी बुधवार के भाव 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

देश में ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार दो प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा

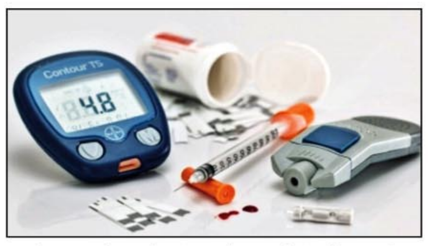

मुंबई। भारत में मधूमेह के बढ़ते मामलों के बीच आई एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार 2024-33 के दौरान दो प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में डायबिटीज के बढ़ते मामलों के साथ-साथ विश्वसनीय मॉनिटरिंग टूल्स तक सीमित पहुंच, एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती पेश करती है। 2024 में, भारत का ग्लूकोज मॉनिटरिंग बाजार एशिया-प्रशांत बाजार का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्थानीय जरूरतों के अनुरूप किफायती और इनोवेटिव सॉल्यूशन पर बढ़ते फोकस को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि भारत में ग्लूकोज मॉनिटरिंग सॉल्यूशन की बढ़ती उपलब्धता के बाद भी अफोर्डिबिलिटी, यूजर एजुकेशन और एक्सेसेबिलिटी को लेकर खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ा अंतर बना हुआ है। लोकल स्तर पर मैन्युफैक्चर किए गए डिवाइस इस अंतर को खत्म कर सकते हैं। भारत में डायबिटीज का बोझ केयर डिलीवरी में अंतर को खत्म करने और डायबिटीज मैनेजमेंट को लगातार प्रमोट करने की तत्काल जरूरत को दिखाता है। हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाना और कम्युनिटी लेवल पर बढ़ती जागरूकता डायबिटीज मैनेजमेंट के तरीके को बेहतर बना सकते हैं और देश भर में दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। एक रिपोर्ट से पता चला है कि भारत में ग्लूकोज मॉनिटरिंग डिवाइस का बाजार 2024 में 366.53 मिलियन डॉलर का था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्वानुमान अवधि में 2030 तक 7.08 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ प्रभावशाली वृद्धि का अनुमान है।

रुपया गिरावट के साथ खुला , 85 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 85 के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी फेडरन रिजर्व (फेड) फेड के अगले साल ब्याज दरों में कटौती की रफ्तार धीमी रखने के संकेतों से रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 18 पैसे गिरकर 85.12 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेड के फैसले के बाद डॉलर में जोरदार तेजी आई और डॉलर इंडेक्स 108 के स्तर को पार कर गया। भारतीय मुद्रा के अलावा अन्य विदेशी मुद्राओं में भी इसका असर देखने को मिला है। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 85.06 रुपये पर खुला। घरेलू शेयर बाजारों के नरम रुख, आयातकों की ओर से डॉलर की मांग और विदेशी पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं गत कारोबारी दिन भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 84.94 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों ने कहा, डॉलर इंडेक्स का 108 से ऊपर जाना और 10 साल के बॉन्ड यील्ड का 4.52 प्रतिशत पर पहुंचना एफआईआई कोष प्रवाह के दृष्टिकोण से नकारात्मक है।

सुप्रीम कोर्ट ने नारियल तेल को महंगा होने से रोका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के एक अहम फैसले ने नारियल तेल को महंगा होने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने ये बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि छोटे पैकेट में नारियल तेल को खाद्य तेल के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। इस फैसले से साफ है कि उस पर हेयर ऑयल पर लगने वाला 18न्न फीसदी टैक्स नहीं, बल्कि खाद्य तेल पर लगने वाला 5न्न टैक्स लगेगा। जाहिर है कि कंपनियों को तो फायदा हुआ ही।। इसे हेयर ऑयल की तरह इस्तेमाल करने वालों को भी राहत मिलेगी, वरना इस पर 13 फीसदी टैक्स और बढ़ जाता। खास बात ये है कि इस मामले को तय करने में सुप्रीम कोर्ट को 15 साल लग गए। 2018 में, सुप्रीम कोर्ट की दो-जजों की पीठ ने इस मुद्दे पर विभाजित फैसला दिया। यह मुद्दा शीर्ष अदालत के तीन-न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष आया। अदालत ने 17 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मुद्दा यह था कि क्या छोटे पैकेज (2 किलो से कम) में बेचे जाने वाले नारियल हेयर ऑयल को केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के अनुसार, हेडिंग 1513 के तहत खाद्य तेल माना जाए या फिर हेडिंग 3305 के तहत हेयर ऑयल के रूप में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कमिश्नर ऑफ सेंट्रल एक्साइज की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें छोटे पैकेज में नारियल तेल को हेयर ऑयल के रूप में वर्गीकृत करने और 18 फीसदी टैक्स लगाने की मांग की गई थी।

यूएस फेड के फैसले से बिगड़ा ग्लोबल मार्केट का मूड, दुनिया के ज्यादातर बाजार में दबाव का माहौल

नई दिल्ली

अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में कटौती करने के बाद की गई कमेंट्री से दुनिया के ज्यादा स्टॉक मार्केट में गिरावट का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में चौतरफा दबाव बना हुआ है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बुधवार को लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान किया। इस बार उम्मीद के मुताबिक ही ब्याज दर में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद अमेरिका में ब्याज दर घट कर 4.25 प्रतिशत से लेकर 4.50 प्रतिशत के दायरे में आ गई है। ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान करते हुए यूएस फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने साफ कर दिया कि 2025 में केवल दो बार ही ब्याज दरों में कटौती की जाएगी, क्योंकि महंगाई फिर से बड़ी चुनौती बन सकती है। उन्होंने साफ किया कि ब्याज दरों में की गई कटौती के बाद यूएस फेड को महंगाई के आंकड़ों के प्रति सतर्क रहना होगा। यूएस फेड के इस फैसले के बाद 10 सालों की अमेरिकी यील्ड 4.52 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है, जबकि डॉलर इंडेक्स नवंबर 2022 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर 108.25 तक पहुंच गया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा 2025 में ब्याज दरों में कटौती करने के संबंध में की गई कमेंट्री के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। इस निराशा की वजह से डाउ जॉन्स 1,100 अंक लुढ़क गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 178.45 अंक यानी 2.95 प्रतिशत टूट कर 5,872.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 658.90 अंक यानी 3.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,450.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,383.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 8,199.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत उछल कर 7,384.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 20,242.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी कमजोरी नजर आ रही है। एशिया के सभी 9 बाजारों में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 246 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,008.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 291.02 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,790.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 416.28 अंक यानी 1.80 प्रतिशत टूट कर 22,752.39 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 117.98 अंक यानी 1.66 प्रतिशत फिसल कर 6,989.90 अंक के स्तर तक गिर गया है।

इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 198.43 अंक यानी 1.01 प्रतिशत लुढ़क कर 19,666.12 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,448.50 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,357.82 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.56 प्रतिशत गिर कर 1,391.53 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत फिसल कर 3,763.76 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सीजीएसटी कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है जीएसटी, रियल एस्टेट कंपनियों को लगेगा झटका

नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर परिषद की शनिवार को होने वाली बैठक में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) कानून में संशोधन को मंजूरी दे सकती है। इससे सफारी रिट्रीट्स मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला निष्प्रभावी हो जाएगा जिसमें किराए की प्रॉपर्टी की निर्माण लागत पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दावों की अनुमति दी थी। ऐसा हुआ तो रियल एस्टेट कंपनियों को झटका लगेगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान होने की आशंका जताई थी। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि इसका प्रभाव करीब 10 हजार करोड़ रुपए का हो सकता है क्योंकि फैसला 1 जुलाई, 2017 से प्रभावी माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सीजीएसटी अधिनियम में इस्तेमाल किए गए शब्द 'प्लांट ऐंड मशीनरी' और 'प्लांट ऑर मशीनरी' अलग-अलग हैं जिन्होंने 'प्लांट' को परिभाषित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत तय किए हैं। कोर्ट ने कहा कि आईटीसी के लिए पात्रता का मूल्यांकन हर मामले के आधार पर किया जाना चाहिए। उसमें करदाता के कारोबार की प्रकृति और मकान के उपयोग जैसे कारकों पर विचार करना चाहिए। इस मामले से जुड़े एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की कानून समिति ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर गंभीरता से विचार किया है। समिति ने अस्पष्टता दूर करने और भविष्य में मुकदमेबाजी को रोकने के लिए 1 जुलाई, 2017 से सीजीएसटी अधिनियम में संशोधन करने की सिफारिश की है। समिति ने पाया कि 'प्लांट ऑर मशीनरी' शब्द के बारे में कोर्ट का फैसला जीएसटी परिषद के साथ-साथ विधायिका की मंशा को भी विफल करता है। अधिकारी ने कहा कि कानून समिति ने पाया कि हर मामले में तथ्यों की जांच के आधार पर यह तय करना मुश्किल है कि परिसंपत्ति सीजीएसटी अधिनियम के तहत प्लांट के तहत आती है या नहीं। इससे काफी भ्रम और अराजकता पैदा हो सकती है जिससे मुकदमेबाजी बढ़ सकती है। इसलिए यह सुचारु कर प्रशासन और कारोबारी सुगमता के लिहाज से उपयुक्त नहीं होगा। पीडब्ल्यूसी के टैक्स पार्टनर ने कहा कि नीतिगत दृष्टिकोण से देखा जाए तो निर्माण से जुड़े खर्च पर इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति दी जानी चाहिए। खास तौर पर ऐसे मामलों में जब निर्मित प्रॉपर्टी का इस्तेमाल सीधे तौर पर जीएसटी के तहत सेवाएं प्रदान करने में किया जाए।

इलेक्ट्रिक स्कूटर जॉय नेमो बाजार में लॉन्च

नई दिल्ली

वार्डविजार्ड इनोवेशन्स एंड मोबिलिटी लिमिटेड ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर जॉय नेमो भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। जॉय नेमो इलेक्ट्रिक स्कूटर में तीन राइडिंग मोड्स - ईको, स्पोर्ट और हाइपर दिए गए हैं।

कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर एक बार चार्ज करने पर 130 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करता है। इसकी टॉप स्पीड 65 केएमपीएच है, जो इसे शहर की सड़कों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाता है। इस स्कूटर में 1500वॉट क्षमता वाली बीएलडीसी मोटर दी गई है, जिसे 3-स्पीड मोटर कंट्रोलर के साथ जोड़ा गया है। जॉय नेमो स्कूटर के फीचर्स इसे खास बनाते हैं।

इसमें टेलीस्कोपिक फॉर्क्स (फ्रंट) और डुअल शॉक एब्जॉर्बर (रियर) दिए गए हैं, जो बेहतर राइडिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। स्कूटर के दोनों पहियों में हाइड्रॉलिक डिस्क ब्रेक्स और कॉम्बि-ब्रेकिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, जॉय नेमो में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स और 5-इंच की फुली कलर्ड टीएफटी डिस्प्ले दी गई है। जॉय नेमो को एडवांस सीएएन-बैटरी सिस्टम से लैस किया गया है, जिससे इसे एंड्रॉयड और आईओएस डिवाइस से कनेक्ट किया जा सकता है। स्कूटर में यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और रिवर्स असिस्ट फीचर भी दिया गया है, जो पार्किंग में वाहन निकालने में मददगार साबित होता है।

कंपनी का कहना है कि जॉय नेमो को चलाना बेहद किफायती है। इसे एक किलोमीटर चलाने का खर्च मात्र 17 पैसे आता है, जिससे यह बजट-फ्रेंडली विकल्प बनता है। इसका आकर्षक डिजाइन, एडवांस टेक्नोलॉजी और किफायती संचालन इसे शहरी उपयोग के लिए एक आदर्श ई-स्कूटर बनाते हैं। इस स्कूटर की कीमत 99,999 रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है, और ग्राहक इसे सिर्फ 999 रुपये में बुक कर सकते हैं।

विदेशों से पैसा भेजने वालों में भारत दुनिया में नंबर वन पर

2024 में 10.7 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे

नई दिल्ली

विदेश से अपने देश पैसे भेजने वालों में भारतीय दुनियाभर में अव्वल हैं लगातार तीसरे साल भी यह सिलसिला बरकरार है। भारतीयों ने 2024 में 129 बिलियन डॉलर यानी करीब 10.7 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे हैं। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.95 लाख करोड़ रुपए रेमिटेंस के रूप में स्वदेश भेजे गए थे। विश्व बैंक की एक ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक रेमिटेंस पाने में भारत के बाद मैक्सिको, चीन, फिलीपींस और पाकिस्तान का नंबर आता है। रेमिटेंस विदेशी मुद्रा अर्जित करने का एक जरिया है। भारत में खाड़ी देशों के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विकसित देशों से रेमिटेंस आता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल रेमिटेंस की वृद्धि दर 5.8 फीसदी रही, जो 2023 के मुकाबले 1.2 फीसदी ज्यादा है। महामारी के बाद आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के सदस्य देशों में नौकरी बाजार की रिकवरी को इस वृद्धि का मुख्य कारण बताया है। रिपोर्ट में यह भी बताया कि पिछले दशक में रेमिटेंस में 57 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 41 फीसदी की गिरावट आई है। विश्व बैंक ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 685 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा कि प्रेषण अन्य बाहरी वित्तीय प्रवाहों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है और इसमें भविष्य में और बढ़ोतरी की संभावना है। दक्षिण एशिया में रेमिटेंस प्रवाह 2024 में 11.8 फीसदी की वृद्धि के साथ सबसे ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। इस क्षेत्र में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश प्रमुख योगदानकर्ता रहे। बता दें 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 111.22 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.28 लाख करोड़ रुपए भारत भेजे थे। इस कारण भारत 100 बिलियन डॉलर यानी 8.34 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रेमिटेंस पाने वाला पहला देश बन गया था। विश्व बैंक विशेषज्ञों का कहना है कि रेमिटेंस का इस्तेमाल गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य और शिक्षा के वित्तपोषण, और परिवारों की वित्तीय समावेशन में किया जाना चाहिए।

सेबी ने छोटी, मझोली कंपनियों के लिए आईपीओ नियमों को सख्त करने की दी मंजूरी

नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल ने छोटी एवं मझोली कंपनियों (एसएमई) के शुरुआती सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने से संबंधित प्रक्रिया को सशक्त करने के लिए एक सख्त नियामकीय रूपरेखा को मंजूरी दी है। इसके अलावा, सेबी ने बिक्री पेशकश (ओएफएस) को सीमित करने का भी फैसला लिया है और प्रवर्तकों के लिए चरणबद्ध 'लॉक-इन' पेश किया है। सेबी के निदेशक मंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। बयान के मुताबिक सेबी के निदेशक मंडल ने डिबेंचर ट्रस्टी, ईएसजी रेटिंग प्रदाताओं, इनविट्स, रीट्स और एसएम रीट्स के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए सुधारों को भी मंजूरी दे दी। इसके अलावा अनुमोदित सुधारों का उद्देश्य एसएमई को एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड प्रदान करना और निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए जनता से धन जुटाने का अवसर प्रदान करना है। इस संबंध में बोर्ड ने सेबी (आईसीडीआर) विनियम, 2018 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 में संशोधन को भी स्वीकृति दे दी है। यह कदम एसएमई के निर्गम बढ़ने के बाद उठाया गया है, जिसने महत्वपूर्ण निवेशक भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है। लाभप्रदता मानदंड के संबंध में एसएमई इकाइयों की तरफ से लाए जाने वाले आईपीओ के संबंध में सेबी ने कहा कि निर्गम लाने की योजना बनाने वाली छोटी एवं मझोली कंपनियों को अपना मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करते समय पिछले तीन में से दो वित्त सालों में कम से कम एक करोड़ रुपए का परिचालन लाभ दिखाना होगा। एसएमई आईपीओ में शेयरधारकों द्वारा बिक्री के लिए ओएफएस की सीमा कुल निर्गम आकार के 20 फीसदी तक सीमित कर दी है। इसके अलावा विक्रय करने वाले शेयरधारक अपनी मौजूदा हिस्सेदारी का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा नहीं बेच सकेंगे। इसके अलावा, एमपीसी से ज्यादा प्रवर्तकों की शेयरधारिता चरणबद्ध 'लॉक-इन' अवधि के अधीन होगी। अतिरिक्त हिस्सेदारी का आधा हिस्सा एक साल के बाद जारी किया जाएगा, जबकि शेष 50 फीसदी दो सालों बाद जारी की जाएगी। एसएमई आईपीओ में गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए आवंटन पद्धति को मुख्य बोर्ड आईपीओ में अपनाई गई पद्धति के अनुरूप बनाया जाएगा ताकि एकरूपता तय की जा सके। एसएमई आईपीओ में सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्य (जीसीपी) के लिए आवंटित राशि को कुल निर्गम आकार का 15 फीसदी या 10 करोड़ रुपए जो भी कम हो तक सीमित कर दिया है।

भारत में वोडाफोन आइडिया ने शुरू की 5जी सेवाएं

नई दिल्ली। भारत में वोडाफोन आइडिया (वीआई) ने अपनी 5जी सेवाएं शुरू कर दी हैं। शुरुआती चरण में कंपनी ने17 सर्किलों में 5जी नेटवर्क लॉन्च किया है। इनमें बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली जैसे बड़े शहर शामिल हैं। वीआई कंपनी ने कहा है कि जल्द ही अन्य शहरों में भी 5जी सेवाएं शुरू की जाएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, वीआई ने 3.3जीएचझेड और 26जीएचझेड स्पेक्ट्रम का उपयोग करके 5जी नेटवर्क स्थापित किया है। 5जी सेवाओं का फायदा प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों यूजर्स उठा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए यूजर्स को अपने स्मार्टफोन में 5जी नेटवर्क को एनेबल करना होगा। कीमत की बात करें तो प्रीपेड ग्राहकों को 5जी कनेक्टिविटी के लिए 475 रुपये के रिचार्ज पैक की जरूरत होगी। वहीं, पोस्टपेड यूजर्स के लिए रेडएक्स 1101 प्लान पेश किया गया है, जिसमें 5जी सेवाएं उपलब्ध होंगी। वोडाफोन आइडिया का यह कदम भारत के बढ़ते 5जी बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। जल्द ही अन्य शहरों में भी नेटवर्क विस्तार की उम्मीद है। बता दें कि वीआई के सीईओ ने जनवरी 2024 में घोषणा की थी कि 5जी रोलआउट छह से सात महीनों के भीतर शुरू किया जाएगा। हालांकि एयरटेल और रिलायंस जियो की तुलना में वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों को 5जी सेवाओं के लिए थोड़ा अधिक इंतजार करना पड़ा है। वोडाफोन आइडिया फिलहाल 17 लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्रों (एलएसए) में 5जी कनेक्टिविटी प्रदान कर रहा है। कंपनी का यह लॉन्च अभी छोटे पैमाने पर माना जा रहा है। क्योंकि नेटवर्क इन शहरों के कुछ खास स्थानों पर ही उपलब्ध है।

महिला क्रिकेट : न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे बारिश के कारण रद्द

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का पहला वनडे गुरुवार को वेलिंगटन में खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के बीच दूसरा एकदिनी 21 और तीसरा व आखिरी मैच 23 दिसंबर को खेला जाएगा।

यह श्रृंखला वर्तमान आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है और मैच रद्द होने से दोनों टीमें निराश हैं, क्योंकि वे अगले वर्ष होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश में हैं।

ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2025 के आयोजन के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन न्यूजीलैंड में शेष मुकाबलों में से दो में जीत के साथ महिला चैम्पियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल कर सकता है।

भारत ऑस्ट्रेलियाई टीम से 10 अंक पीछे है, लेकिन उसे अभी भी छह मैच खेलने हैं और उन सभी मैचों में जीत के साथ वह मौजूदा विश्व कप चैंपियन से आगे निकल सकता है।

न्यूजीलैंड ने अगले साल के 50 ओवर के विश्व कप में अपनी जगह पक्की नहीं की है, गुरुवार को बेसिन रिजर्व में कोई परिणाम नहीं मिलने के बाद कीवी टीम वर्तमान में 21 अंकों के साथ महिला चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

न्यूजीलैंड : सूजी बेट्स, लॉरेन डाउन, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रुक हॉलिडे, मैडी ग्रीन, इसाबेला गेज (विकेट कीपर), अमेलिया केर, ईडन कार्सन, फ्रैन जोनास, जेस केर, मौली पेनफोल्ड, इसाबेला रोज जेम्स, रोजमेरी मैयर।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (विकेट कीपर/कप्तान), फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, एशले गार्डनर, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्राथ, हीथर ग्राहम, जॉर्जिया वेयरहैम, डार्सी ब्राउन, अलाना किंग, किम गर्थ, मेगन शुट्ट, जॉर्जिया वोल।

न्यूज़ ब्रीफ

घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल बल्लेबाज के रूप में खेलेंगी हीली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली के घुटने में दर्द के कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगी। लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जनवरी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए खुद को तैयार करने के लिए तीनों मैचों में बल्लेबाज के तौर पर खेल पाएंगी। बेथ मूनी गुरुवार को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में होने वाले सीरीज के पहले मैच में बतौर विकेटकीपर हीली की जगह लेंगी। हीली ने बुधवार को कहा, मैं इस सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करूंगी... लेकिन एशेज से पहले बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं है, इसलिए मेरे लिए यह एक मौका है कि मैं एक बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर वापसी करूं और कुछ रन बनाने की कोशिश करूं। मुझे लगता है कि मैंने पिछले आठ या नौ महीनों में शायद ही कोई क्रिकेट खेला हो और ऐसा करने का यह अच्छा मौका है। घुटने की स्थिति ठीक है, यह दिन-प्रतिदिन की बात है और हम आगे बढ़ने के साथ ही आकलन करेंगे। हीली की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के लिए हाल ही में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में जॉर्जिया वोल के पदार्पण का रास्ता खुल गया। वोल, जिन्होंने अपने पहले तीन वनडे मैचों में नाबाद 46, 101 और 26 रन बनाए थे, हीली की वापसी के साथ बाहर होने वाली बदकिस्मत खिलाड़ी बनने वाली हैं। हीली ने कहा, हम कुछ समय से बदलाव कर रहे हैं, टीम में कुछ युवा खिलाड़ी शामिल कर रहे हैं। लेकिन इस समय कुछ चोटों के कारण हमें मजबूरन खेलना पड़ रहा है। मुझे लगता है कि हम वाकई बहुत अच्छी स्थिति में हैं, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में गहराई बहुत मजबूती है। और जो भी आगे बढ़ता है, खासकर मेरा काम संभालने के लिए, वह मेरे लिए रन बनाता है या विकेट लेता है, इसलिए हम इस समय अच्छी स्थिति में हैं।

आपसी सहमति से अगल हुए पंजाब एफसी और मुशागा बकेंगा

मोहाली। पंजाब एफसी और क्लब के स्ट्राइकर मुशागा बकेंगा ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

नॉर्वेजियन खिलाड़ी को इस सीजन की शुरुआत में द शेर द्वारा साइन किया गया था। उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और डूरंड कप में क्लब के लिए कुल 14 मैच खेले। बकेंगा ने अपने कार्यकाल के दौरान तीन गोल किए और एक असिस्ट प्रदान की। बकेंगा से अलग होने पर पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलेटिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, आपसी चर्चा के बाद, यह तय किया गया कि बकेंगा हमारे साथ अलग होंगे। मैं उनके योगदान के लिए उनका तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। बकेंगा का पंजाब एफसी के लिए आखिरी मैच इंडियन सुपर लीग में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ एक सब्स्टीट्यूट के रूप में था।

द हंड्रेडः नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम की मुख्य कोच नियुक्त हुईं लिसा केइटली

लंदन। लिसा केइटली को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। केइटली, जो 2019 से 2022 तक इंग्लैंड महिला टीम की मुख्य कोच थीं, डैनी हेज़ेल की जगह लेंगी, जो टीम के साथ चार साल बिताने के बाद अपने अनुबंध के अंत में सुपरचार्जर्स को छोड़ रही हैं। उन्होंने कहा, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का हेड कोच बनने का अवसर एक बहुत बड़ा सम्मान है और मैं पिछले चार वर्षों में रखी गई ठोस नींव पर आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हूं। हंड्रेड एक गेम-चेंजर रहा है। इसने महिलाओं के खेल को एक शानदार मंच प्रदान किया है और खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए वह मंच दिया है जिसकी वे हकदार हैं। उन्होंने कहा, हेडिंग्ले इस बात का एक शानदार उदाहरण रहा है कि प्रशंसकों ने इस रोमांचक प्रतियोगिता को कैसे अपनाया है, और मैं वास्तव में अगले साल वहां होने का इंतजार कर रही हूं। एक टीम के रूप में हमारा लक्ष्य प्रतियोगिता जीतना है, और हम डेडलाइन डे से पहले कोर स्क्वाड को बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं, साथ ही हम हंड्रेड ड्राफ्ट के माध्यम से जिन खिलाड़ियों की भर्ती करेंगे, मुझे विश्वास है कि हमारे पास इसे हासिल करने की क्षमता है। केइटली वर्तमान में डब्ल्यूबीबीएल में सिडनी थंडर के मुख्य कोच के रूप में काम कर रही हैं और डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की कोचिंग टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए नौ टेस्ट और 82 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और लॉर्ड्स में शतक बनाने वाली पहली महिला थीं। यॉर्कशायर के अंतरिम सीईओ संजय पटेल ने कहा, हमें नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स में लिसा का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

जूनियर एशिया कप जीत ने हमें मानसिक मजबूती के बारे में बहुत कुछ सिखाया : कनिका सिवाच

नई दिल्ली

भारतीय हॉकी की उभरती स्टार कनिका सिवाच ओडिशा वारियर्स के साथ पहली महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में खेलने के लिए उत्साहित हैं। हाल ही में संपन्न महिला जूनियर एशिया कप 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद (जहाँ उन्होंने आठ गोल किए और चैंपियन भारत के लिए दूसरी और कुल मिलाकर चौथी स्कोरर रहीं) कनिका इस प्रतिष्ठित लीग में जूनियर रैंक से सीनियर चरण में जाने के लिए उत्सुक हैं।

जूनियर एशिया कप से लेकर एचआईएल तक के अपने सफर को लेकर कनिका ने अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, मैं इस बदलाव को लेकर रोमांचित हूँ। ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलना और अनुभवी सीनियर्स और कोचों से सीखना कुछ ऐसा है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए एक नई यात्रा है और मैं इसके ज़रिए आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हूँ।

जूनियर एशिया कप में आठ गोल करने वाली 19 वर्षीय फारवर्ड का मानना है कि उनकी हालिया सफलता ने एचआईएल के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला रहा। हीरो हॉकी इंडिया लीग में इस अगली चुनौती के लिए तैयार होने में मैंने वहां जो अनुभव हासिल किया, वह अमूल्य होगा।

ओडिशा वॉरियर्स में शामिल होकर कनिका टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, मैं ओडिशा वॉरियर्स जैसी टीम का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं, जिसमें कुछ बेहतरीन खिलाड़ी और कोच हैं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और इस अवसर का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार हूं, ताकि हम दिखा सकें कि महिला खिलाड़ी के रूप में हम क्या करने में सक्षम हैं।

अपने गोल स्कोरिंग कौशल के लिए जानी जाने वाली कनिका ने अपने फॉर्म को बनाए रखने में टीमवर्क के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया, हॉकी में स्कोर करना हमेशा एक टीम प्रयास होता है। अपने साथियों पर भरोसा करना और साथ मिलकर काम करना हीरो एचआईएल में मेरे स्कोरिंग स्ट्रीक को जारी रखने की कुंजी होगी।

हीरो एचआईएल के तेज-तर्रार और गतिशील प्रारूप को अपनाना एक चुनौती है जिसका कनिका खुले दिल से स्वागत करती हैं। वह अपनी तैयारी में मदद करने के लिए वरिष्ठ खिलाड़ियों और कोचों के मार्गदर्शन का श्रेय देती हैं।

उन्होंने कहा, मैं अनुभवी खिलाड़ियों और हमारे कोचों की सलाह पर भरोसा करने की योजना बना रही हूं, जो हमें लीग की गतिशील प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने में मदद कर रहे हैं। एक स्ट्राइकर के रूप में मेरी भूमिका में उनका समर्थन महत्वपूर्ण होगा।

कनिका भारत में खेल के लिए पहली बार आयोजित होने वाले महिला एचआईएल के महत्व को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, यह लीग भारतीय महिला हॉकी के लिए गेम-चेंजर है। यह मेरे जैसे जूनियर खिलाड़ियों के लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक शानदार मंच है। मैं इस तरह के ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर वास्तव में उत्साहित हूं।

जूनियर एशिया कप की लय को बनाए रखने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करते हुए, कनिका ने उस अनुभव को हीरो एचआईएल में लाने की अपनी योजनाएँ साझा कीं।

उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप की जीत ने हमें आत्मविश्वास दिया और मानसिक दृढ़ता के बारे में बहुत कुछ सिखाया। मैं उस ऊर्जा को हीरो एचआईएल में ले जाने और इसका पूरा लाभ उठाने के लिए तैयार हूँ।

लीग के लिए तैयार होने के साथ, कनिका खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने बताया, हर दिन सीखने की प्रक्रिया है। मेरा लक्ष्य लगातार सुधार करना और इस यात्रा के दौरान अधिक ज्ञान प्राप्त करते हुए मैदान पर जो कुछ भी सीखा है उसे लागू करना है।

हीरो एचआईएल के लिए अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों के बारे में पूछे जाने पर, कनिका ने जितना संभव हो सके उतना अनुभव प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने कहा, शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलना विकास के लिए एक शानदार अवसर है। मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य हर पल से सीखना और एक बेहतर खिलाड़ी के रूप में उभरना है।

अंत में, कनिका ने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिला हीरो एचआईएल उनके जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए कितनी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, यह लीग हम जूनियर खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अविश्वसनीय मंच है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के संपर्क में आना और ऐसे मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर हमारे विकास के लिए परिवर्तनकारी होने वाला है।

पाकिस्तान के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज से बाहर हुए केशव महाराज

जोहानसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के शेष बचे दो मैचों से बाहर हो गए हैं, क्योंकि पहले वनडे के लिए वार्मअप करते समय उनके बाएं पैर में खिंचाव आ गया था।

श्रृंखला के अंतिम दो वनडे के लिए उनके स्थान पर स्लो लेफ्ट-आर्म ऑर्थोडॉक्स ब्योर्न फोर्टुइन को टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के एक बयान के अनुसार, महाराज पुनर्वास के लिए डरबन लौटेंगे और 26 दिसंबर को सेंचुरियन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

महाराज को तीन मैचों की वनडे सीरीज के बाद होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। प्रोटियाज वर्तमान में डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर हैं, और पाकिस्तान के खिलाफ जीत अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-0 से हारने के बाद, पाकिस्तान ने वापसी की और पहला वनडे तीन विकेट से जीत लिया। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को केपटाउन में खेला जाएगा, जबकि तीसरा वनडे 22 दिसंबर को जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीमः टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, ब्योर्न फोर्टुइन, क्वेना मफाका, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, एंडिले फेहलुकवायो, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन।

मोनाको में फुटबॉल लीग

मोनाको में फुटबॉल लीग मुकाबले में सेंट जर्मेन और एएस मोनाको के खिलाड़ी।

आरसीबी ने 'मेड ऑफ बोल्ड' खेल विकास कार्यक्रम शुरू किया

बेंगलुरु

प्रतिभाओं को उजागर करने और विभिन्न क्षेत्रों से एथलेटिक चैंपियनों को विकसित करने के उद्देश्य से, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख राजेश मेनन ने कहा, मेड ऑफ बोल्ड पहल आरसीबी के स्पोर्ट्स फॉरवर्ड नेशन के व्यापक दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग है, जो भारत के लिए एक स्थायी और मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना चाहता है। इस प्रयास का उद्देश्य एथलीटों की पहचान करना और उनका पोषण करना और देश में सक्रिय खेल विकास के लिए प्रमुख उद्योग हितधारकों के बीच बातचीत शुरू करना है।

उन्होंने कहा, हम वास्तव में मानते हैं कि खेल और समुदाय एक साथ आने से सभी को दीर्घकालिक लाभ मिलता है। यह न केवल पहचानी गई और पोषित प्रतिभा के लिए है, बल्कि समुदाय पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव के लिए भी है। हम आरसीबी के मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम के साथ ऐसा करने का लक्ष्य रखते हैं, जो खेल के माध्यम से वंचित समुदायों के साथ अंतराल को पाटने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दीर्घकालिक विकास का समर्थन करता है। इस पहल पर आरसीबी की शीर्ष क्रिकेटर श्रेयंका पाटिल ने कहा, मैं आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम% के लॉन्च को देखकर रोमांचित हूं। यह वास्तव में वही है जिसकी हम भारतीय खिलाड़ियों को जरूरत है - समावेशिता का निर्माण करना और एथलीटों और उनके समुदायों को आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करना। भारत एक विशाल देश है जिसमें बहुत सारी अप्रयुक्त खेल क्षमताएं हैं, और यह पहल सही दिशा में एक कदम है। आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम की यात्रा उत्तर कन्नड़ जिले के एक छोटे से शहर मुंडगोड से शुरू होती है। इस क्षेत्र के आदिवासी समुदायों (विशेष रूप से सिद्दी समुदाय) में स्प्रिंटिंग के लिए भारत की सबसे अधिक प्रतिभा घनत्व है।

सूरमा हॉकी क्लब ने प्रशिक्षण शिविर के साथ शुरु की एचआईएल 2024 की तैयारी

चंडीगढ़

सूरमा हॉकी क्लब ने हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए चंडीगढ़ के सेक्टर 42 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपना प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप शुरू कर दिया है।

28 दिसंबर से 1 फरवरी तक चलने वाली लीग के साथ, यह कैंप रणनीति बनाने, टीम के सामंजस्य और खेल शैलियों को समन्वित करने के लिए एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में कार्य करता है।

प्री-सीजन कैंप में अब भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों खिलाड़ी शामिल हैं।

14 दिसंबर को शामिल हुए भारतीय दल में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद, गुरजंत सिंह, मनिंदर सिंह, सुनीत लाकड़ा और मोहित एचएस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

बुधवार को शिविर में शामिल होने वाले अंतरराष्ट्रीय सितारे अपने साथ ढेर सारा अनुभव और विविध खेल शैली लेकर आए हैं।

इनमें ऑस्ट्रेलियाई ड्रैग-फ्लिकर जेरेमी हेवर्ड, बेल्जियम के निकोलस पोंसलेट और विक्टर वेगनेज़ शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीकी स्टार दयान कैसिएम, बेल्जियम के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गोलकीपर विन्सेंट वानाश, डच स्ट्राइकर बोरिस बर्कहार्ट और अर्जेंटीना के मिडफ़ील्डर निकोलस डेला टोरे सहित बाकी अंतरराष्ट्रीय दल आने वाले दिनों में शिविर में शामिल होंगे।

शिविर की प्रगति को लेकर टीम के कोच और मेंटर सरदार सिंह ने खिलाड़ियों के बीच सौहार्द और समझ बनाने में इसके महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों को एक-दूसरे से परिचित कराने के लिए यह शिविर महत्वपूर्ण है, खासकर इसलिए क्योंकि कुछ ने पहले कभी एक साथ नहीं खेला है। हमारा लक्ष्य मैदान पर समन्वय सुनिश्चित करना और एक मजबूत, एकजुट टीम बनाना है।

हरमनप्रीत सिंह ने आगामी लीग और टीम की बेहतर तैयारियों के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने कहा, हम सभी सूरमा हॉकी क्लब का प्रतिनिधित्व करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, चंडीगढ़ में शिविर लगाना हमारे लिए विशेष रूप से सार्थक है, एक ऐसा क्षेत्र जिसका हम सूरमा हॉकी क्लब के रूप में प्रतिनिधित्व करते हैं। विदेशी खिलाड़ियों के हमारे साथ जुड़ने से ऊर्जा और भी बेहतर हो गई है, और हमें उम्मीद है कि हम इसे अपने प्रदर्शन में शामिल करेंगे।

सूरमा हॉकी क्लब अपने पहले अभियान की शुरुआत रविवार, 29 दिसंबर 2024 को राउरकेला में तमिलनाडु ड्रैगन्स के खिलाफ करेगा।

एल्यूमीनियम फॉयल से दूर करें सभी दर्द

एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल अक्सर खाने को पैक करने के लिए करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नियमित रूप से एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल खाने को रैप करने के अलावा कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए किया जा सकता है। जी हां यह बात एक नए शोध से सामने आई है कि एल्यूमीनियम फॉयल के इस्तेमाल से शरीर के किसी भी अंग में होने वाले दर्द को दूर किया जा सकता है। आइए इसके बारे में हम विस्तार से बताते हैं।

गायब हो जाएगा दर्द

अगर आपके गर्दन, पीठ, कंधे, घुटने या पैरों में दर्द है, तो दर्द वाले हिस्से में एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल करें। आप देखेंगे कि समय की एक निश्चित अवधि के बाद आपका दर्द गायब हो जाएगा। एल्यूमीनियम फॉयल में चिकित्सीय गुण होते हैं और अक्सर चीनी और रूसी चिकित्सकों द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे करें उपचार?

एल्यूमीनियम फॉयल का एक टुकड़ा लेकर, दर्द वाले जगह लगाकर उसपर बैंडेज बांध दें। एल्यूमीनियम फॉयल गर्दन, पीठ, हाथ, पैर, जोड़ों और इसी तरह के दर्द के इलाज के लिए उत्कृष्ट होता है। इसके अलावा यह गठिया और निशान के इलाज के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर

एल्यूमीनियम फॉयल में बहुत अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण होते हैं। गाउट का इलाज करते समय फॉयल के टुकड़े को निशान पर लगाना या अंगूठे पर लपेटकर बैंडेज बांधना जरूरी होता है। चीनी चिकित्सकों का विश्वास है कि यह इलाज कम से कम 10 से 12 घंटे के लिए किया जाना चाहिए। शरीर के दर्दनाक हिस्से पर एल्यूमीनियम फॉयल लगाकर रात भर के लिए छोड़ देना चाहिए। फिर 1 से 2 सप्ताह का ब्रेक लेने के बाद यदि आवश्यक हो तो इलाज को दोहराना चाहिए।

जुकाम दूर करने में सहायक

जुकाम होने पर भी आप एल्यूमीनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए 5-7 परतों में फॉयल को अपने पैर पर लपेटें और प्रत्येक परत के बीच कागज और पतला सा कपड़ा लगाए। इसे कुछ घंटों के लिए ऐसे ही रहने दें। दो घंटे के बाद इसे निकाल कर रीसेट करें। फिर से कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। उपचार को तीन बार दोहराया जाना चाहिए।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है चना

चने अपने पोषक तत्वों की वजह से सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन, सोडियम और सेलेनियम होता है। आप इसे भिगोकर और सब्जी बनाकर भी खा सकते हैं। अंकुरित चने विटामिन और बी कॉम्प्लेक्स का अच्छा स्रोत हैं। चने से आपको भरपूर ऊर्जा मिलती है और आपका पाचन तंत्र भी सही बना रहता है।

सर्दी भगाने वाली दवा से रक्तचाप का खतरा

सर्दी भगाने के लिए दी जाने वाली दवाओं से हृदय गति व रक्तचाप बढ़ने की आशंका बढ़ जाती है। खास कर, बच्चों के मामले में , क्योंकि ऐसी दवाएं बच्चों के लिए घातक भी हो सकती है। एक अध्ययन से पता चला है कि दो वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों के मामले में सर्दी की दवा घातक साबित हो सकती है। यह भी कहा गया है कि माता-पिता को बच्चों के चिकित्सकीय सलाह पर पूरी तरह अमल करना चाहिए।

हर दिल की चाहत आर्टिफिशल स्वीट्नर

जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? कुछ लोग अपने लंच बाक्स के साथ एक डिब्बा मीठा भी ले जाते हैं। यह उनकी दिनचर्या है। वह तमाम कोशिशों के बावजूद इससे खुद को रोक नहीं पाते। यही कारण है कि जिस दिन वह मिठाई जो कि कृत्रिम मीठे से बनी होती है, नहीं ले जा पाते,तो वह दुकान कुछ न कुछ खरीदकर खा लेते हैं। इसके कारण उन्हें मोटापा आदि समस्याओं का भी समाना करना पड़ता है। बावजूद इसके जो लोग कृत्रिम मीठा खाते हैं, उनका दिल हमेशा मोर मांगता है। सवाल ऐसा क्यों है? आइए जानने के लिए आगे पड़ते हैं।

आर्टिफिशल स्वीटनर की लालसा

कृत्रिम मीठा खाने से यह सीधे हमारे मस्तिष्क को प्रभावित करता है। नतीजतन न चाहते हुए भी हम मीठे की ओर लालायित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी यह हो जाता है कि कृत्रिम मिठाई को अपनी जीवनशैली का हिस्सा न बनाए। असल में कृत्रिम मिठाई में यूं तो कहा जाता है कि इसमें शुगर का स्तर बेहद कम होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के बेहतर होता है। लेकिन सच्चाई इससे इतर है। चूंकि यह कृत्रिम मीठा है तो आपको बताते चलें कि इसके अपने नुकसान हैं। खासकर यदि मोटे लोग इसका सेवन करते हैं तो वे इससे दूर नहीं रह सकते। बहरहाल कृत्रिम मीठे का सबसे गहरा असर हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है जिससे हम मीठे से भाग नहीं पाते।

मस्तिष्क पर प्रभाव

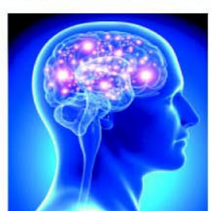

मीठा एक ऐसी चीज है जिसे एक बार खाओ तो दूसरी बार बिन खाए नहीं रह सकते। कृत्रिम मिठाई भी अपने अंदर इस गुण को समेटे हुए हैं। असल में जब हम कोई कृत्रिम मिठाई खाते हैं तो वह हमारे जीभ को बहुत पसंद आता है। जीभ को पसंद आने का मतलब है कि उसे दोबारा खाने का लालच पैदा हो रहा है। जब कोई चीज दोबारा खाने का लालच बने तो ऐसे में जरूरी यह होता है कि उससे दूरी बनाए रखें। असल में जैसे कि हर चीज की अति बुरी होती है, ठीक इसी तरह कृत्रिम मीठा भी हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मस्तिष्क में घोटाला

असल में जब हम कृत्रिम मीठा खा लेते हैं तो मस्तिष्क में घोटाला होने लगता है। ऊर्जा और चाह में कंफ्यूशन बढ़ जाती है। यह नहीं समझ आता कि अपनी ऊर्जा किस चीज में खर्च की जाए। होता ये है कि हम खाने पीने की चीजें ढूंढने में अपनी ऊर्जा नष्ट करने लगते हैं। असल में मस्ष्कि ज्यादा कैलोरी की डिमांग करने लगता है जिससे कि यदि कोई खाद्य पदार्थ न मिले तो मस्तिष्क को आराम नहीं मिलता।

नींद में खलल

कृत्रिम मीठा सिर्फ हमारे मोटापे को ही प्रभावित नहीं करती। इसके अलावा जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं, उन्हें नींद भी कम आती है। दरअसल कृत्रिम मीठा हमारी नींद को प्रभावित करता है। नींद न सिर्फ कम आती है बल्कि उसकी गुणवत्ता में भी कमी आ जाती है। कहने का मतलब यह है कि एक व्यक्ति को प्रत्येक दिन 8 घंटे की सामान्य और 4 घंटे की गहरी नींद की आवश्यकता होती है। यदि हम 4 घंटे की गहरी नींद ले लें तो इसके बाद हमें और सोने की जरूरत नहीं रह जाती। लेकिन जो लोग कृत्रिम मीठे के शौकीन हैं उन्हें गहरी नींद नहीं आ पाती। वे अकसर रात भर जगे रहते हैं। इससे उनकी जीवनशैली भी प्रभावित होती है।

मोटापा बढ़ना

पहले ही इस बात का जिक्र किया गया है कि कृत्रिम मीठा खाने से मोटापा बढ़ता है। खासकर उन लोगों में मोटापा ज्यादा बढ़ता है जो लोग खाद्य पदार्थ के साथ साथ ड्रिंक लिक्विड कृत्रिम मीठे सहित लेते हैं। इनमें कैलोरी बढ़ती है, किसी भी समय कुछ भी खाने के आदी होते हैं। यही नहीं आपको जानकर हैरानी होगी कि जो लोग कृत्रिम मीठा खाने के शौकीन होते हैं, वे मीठा देखकर सामान्य लोगों से भिन्न प्रतिक्रिया करते हैं। उन्हें देख ऐसा लगता है कि वे सिर्फ मीठे के लिए ही जीवित हैं।

पानी पीना

यदि आप कृत्रिम मीठा खाने के कारण काफी ज्यादा मोटे हो चुके हैं और इस समस्या का निदान नहीं मिल रहा। ऐसे में बेहतर है कि जितना हो

सके पानी पीयें। इतना ही नहीं जब भी मीठा खाने का मन हो, उसके बजाय पानी को तरजीह दें।

पॉलिथिन में पैक सैंडविच को कहें NO....

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास किसी चीज की कमी है तो वह है वक्त। लोग आजकल इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। आजकल लोग सबसे अधिक स्नैक्स और फास्टफूड का सेवन कर रहे हैं। जिससे कई बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। फास्ट फूड में एक है सैंडविच जो लोगों की पंसदीदा आहार में से एक है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब भी आप सैंडविच लेते हैं तो यह एक पतली पन्नी में लिपटी मिलती है। पन्नी के साथ लिपटी सैंडविच सेहत के लिए कितनी नुकसानदेह है इसके बारे में इस लेख के माध्यम से जानते हैं।

पुराना स्टोर किया हुआ

अधिकतर दुकानों पर जो सैंडविच मिलती है उसमें इस्तेमाल किए जाने वाले अंडे, मीट, चिकन, पनीर या मछ्ली को दुकानदार फ्रिज में स्टोर रखते हैं। वैसे सामान्य तौर पर इन चीजों को दो दिन से ज्यादा स्टोर नहीं करना चाहिए लेकिन ये लोग कई दिनों तक इसे फ्रिज में रखते हैं और ग्राहकों को दे देते हैं। इसके सेवन से संक्रमण का खतरा अधिक रहता है।

तापमान का ध्यान न रखना

जरूरी नहीं कि आप जो सैंडविच ले रहे हैं वो सही टेंपरेचर पर स्टोर की गई है। चूंकि सैंडविच में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जियों को अगर सही तापमान पर नहीं स्टोर किया गया तो वे एक दिन में ही खराब हो जाती हैं। खासतौर पर पकी हुई सब्जियां और जल्दी खराब हो जाती हैं। इसलिए इनके सेवन से फूड पॉइजनिंग भी हो सकती है।

कैलोरी काउंट का ध्यान न रखना

सैंडविच को और मुलायम बनाने के लिए कई बार दुकानदार उसमें बहुत अधिक बटर मिलाते हैं। जिस कारण इसमें कैलोरी की मात्रा काफी बढ़ जाती है जो आपकी सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक है। खासतौर पर अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो इसे बिल्कुल न खाएं।

गलत तरीके से पैकेजिंग

सैंडविच की पैकेजिंग के लिए जिस पतली सी फिल्म का इस्तेमाल किया जाता है वो भी संक्रमित हो सकती है। सैंडविच में मौजूद एसिडिक चीजों जैसे कि टमाटर और सिरका के कारण इस पतली फिल्म में छेद भी हो सकता है जिससे इसके अन्दर बैक्टीरिया भी घुस सकते हैं। जिसके कारण संक्रमण हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपको अपने आसपास कोई ऐसी शॉप नहीं मिल रही है जहां पर फ्रेश सैंडविच मिलता हो, तो इसकी बजाय आप पास के किसी रेस्टोरेंट में जाकर इडली और डोसा खा लें। अगर आप मूवी देखने गए हैं और आपको जोरों की भूख लगी है तो सैंडविच के बजाय एक मध्यम आकार का पॉपकॉर्न लें। इससे आपकी भूख भी मिट जाएगी और इससे कोई नुकसान भी नहीं होगा। हो सके तो हेल्दी फूड ही खाएं।

ऑयली स्किन के लिए घरेलू उपाय

ऑयली स्किन महिलाओं की बड़ी समस्या है। कई महिलाओं को अपने चेहरे पर चमक दिखाई देती है, जो उनके मेकअप और मॉश्चराइजर को नुकसान पहुंचाती है। वक्त की कमी के चलते यह समस्या और ज्यादा बढ़ गई है। हमारे आहार में पोषण की कमी ने इस समस्या में इजाफा ही किया है। खुद को बचाने के लिए त्वचा अधिक मेहनत करती है और परिणामस्वरूप वह तेल का निर्माण करने लगती है।

ऑयली स्किन के नुकसान

ऑयली स्किन वाले लोगों को चेहरे पर चिपचिपाहट महसूस होती रहती है। शॉवर के फौरन बाद उनका चेहरा ऑयली और मैला लगने लगता है। ऑयली त्वचा मिट्टी और मैल को जल्दी पकड़ लेती है और साथ ही इससे आपका मेकअप भी बहुत जल्दी पिघल जाता है। ऑयली स्किन वाली महिलाओं को दिन में कई बार मेकअप लगाना पड़ता है। मैल और मिट्टी के जो कण त्वचा के साथ चिपक जाते हैं, वे आगे चलकर एक्ने और त्वचा संबंधी अन्य परेशानियों का कारण बनते हैं।

क्यों होती है ऑयली स्किन?

अनुवांशिक: अगर आप कायदे से हर ब्यूटी टिप्स का पालन कर रहे हैं। और इसके साथ ही आप स्किन के ऑयल प्रोडक्शन की संभावनाओं से बचने के सभी जरूरी प्रयास भी कर रहे हैं और इसके बाद भी अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो इसके लिए आप अनुवांशिकता को उत्तरदायी ठहरा सकते हैं। जब ऑयली स्किन अनुवांशिकता के कारण हो, तो इस बात की पूरी संभावना है कि परिवार के हर सदस्य को ऑयली स्किन की परेशानी होगी। परिवार के हर सदस्य में ऑयल निर्माण करने वाली ग्रंथियां ज्यादा होंगी।

स्किन केयर उत्पादों का अधिक इस्तेमाल: शानदार चमकदार त्वचा पाने की चाह में कई लोग क्लींजर, एक्फोलिएट और स्क्रब का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। इससे रोम छिद्रों पर बेकार का दबाव पड़ता है, जो आगे चलकर ऑयली स्किन का कारण बनता है।

मौसम में बदलाव: गर्मियों और बरसातों में वातावरण में उमस और नमी काफी बढ़ जाती है। इससे त्वचा में ऑयल का अधिक निर्माण होता है। सर्दियों के दौरान, त्वचा रूखी हो जाती है। उसमें नमी और पोषण की कमी हो जाती है। इसे पूरा करने के लिए त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करती है।

दवायें: हॉर्मोन बैलेंस के लिए दी जाने वाली दवाओं के कारण भी त्वचा में अधिक ऑयल का निर्माण होने लगता है। इसके साथ ही कुछ दवायें त्वचा में नमी की कमी का भी कारण बनती हैं। पोषण के इस असंतुलन से लड़ने के लिए त्वचा अधिक मात्रा मे ऑयल का निर्माण करती है।

गलत उत्पादों का इस्तेमाल: जब महिलायें ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल करती हैं, जो उन्हें सूट नहीं करता, तो त्वचा अधिक मात्रा में ऑयल का निर्माण करने लगती है। यदि किसी की मिश्रित त्वचा है और वह ऑयली स्किन वाला माश्चराइजर या क्लींजर इस्तेमाल करना शुरू कर दे, तो उसकी त्वचा अधिक ऑयली होनी शुरू हो जाएगी।

तनाव: तनाव भी ऑयली स्किन की बड़ी वजह होता है। जब व्यक्ति तनाव में होता है तो शरीर एंड्रोग्न्स हॉर्मोन का निर्माण शुरू कर देता है। जिससे ऑयली स्किन होती है।

क्लीजिंग: अपनी त्वचा को क्लीन करने का सबसे पहला नियम है कि आप उस पर जमा अतिरिक्त ऑयल निकालें। दिन में दो बार चेहरा जरूर धोयें। और ऑयली स्किन वालों के लिए यह जरूरी है। सुबह और शाम चेहरा धोने की आदत बनाएं। अधिक ऑयल से आपके चेहरे पर गंदगी चिपकी रहती है। लेकिन, अपने चेहरे को बार-बार धोने से बचें। ज्यादा बार धोन से त्वचा का कुदरती पोषण कम हो सकता है।

शहद और सेब

सेब को काटकर उसे ब्लैंड कर लीजिए। इसमें थोड़ा शहद मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दीजिए। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लीजिए।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिला लीजिए। इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लीजिए। इस प्रयोग को एक महीने तक कीजिए। और इसके बाद आपको बहुत अच्छे नतीजे मिलेंगे।

पपीता

पपीते को मैश कर लीजिए और इसे अच्छे से मिला लीजिए। इस मिश्रण से अपने चेहरे पर मसाज कीजिए और इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दीजिए। इसके बाद इसे ठंडे पानी से धो लीजिए।

आसान नुस्खे

अपनी त्वचा की देखभाल करने के लिए आपको कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए। ये उपाय कारगर तथा किफायती होते हैं। घरेलू उपाय न केवल आपकी त्वचा को ऑयल फ्री बनाते हैं बल्कि दाग-धब्बे हटाने का भी काम करते हैं। ऑयली स्किन की देखभाल के लिए काफी समय और संयम की जरूरत होती है। बड़े रोम छिद्रों को बंद करना और चिपचपेपन को हटाने के लिए आपको अतिरिक्त मेहनत करने की जरूरत होती है। यहां हम आपको कुछ ब्यूटी टिप्स की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑयली स्किन की समस्या से बच सकते हैं। इन उपायों को आसानी से घर पर रहकर ही आजमाया जा सकता है।

मेकअप हटाए

भले ही आप मेकअप लगाने की आदी न हों, लेकिन इसे हटाना कभी न भूलें। सोने से पहले अच्छे से क्लींजर से मेकअप हटाए और चेहरा धोकर सोने जाएं। मेकअप रिमूविंग क्रीम और ऑयली फेस के लिए फेसवॉश इस्तेमाल करें। आपको ऐसा फेसवॉश इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें सेजलिसिलिक एसिड हो।

एक्ने के लिए क्रीम

चेहरा साफ करने के बाद उस पर एस्ट्रिंगजेंट लगाएं। अगर आप एस्ट्रिंगजेंट लगाते हैं, तो याद रखें वह अल्कोहोलिक न हो। साथ ही दिन में एक बार से ज्यादा इसका इस्तेमाल न करें। ये उत्पाद त्वचा को रूखा कर सकते हैं। त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेकर दिन में दो बार एक्ने से लड़ने वाली क्रीम लगाइए।

माश्चराइजर

आपकी त्वचा के लिए माश्चराइजर बहुत जरूरी है। लेकिन, मॉश्चराइजर चुनते समय इस बात का ध्यान रखें कि आप गलती न करें। ऐसा मॉश्चराइजर चुनें जो आपकी त्वचा के लिए सही हो। आप कितना माश्चराइजर लगाते हैं यह पूरी तरह आपकी त्वचा के रूखेपन पर निर्भर करता है। आपको ऐसा माश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए जिसमें कोका बटर और मिनरल ऑयल हों। नॉन-कॉमेडोजेनिक मॉश्चराइजर आपके लिए सही रहेगा।

सनस्क्रीन

भले ही आसमान में बादल छा रहे हों, लेकिन आपको सनस्क्रीन लगाए बिना घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। आपका सनस्क्रीन कम से कम 15 एसपीएफ होना चाहिए। लेकिन, जरूरत है कि आप ऑयली स्किन के लिए बने सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

रेसिपी

सेव टमेटा

सामग्री

1 1/2 कप सेव , बाजार में आसानी से उपलब्ध, 2 1/4 कप टमाटर के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ अदरक, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून शक्कर, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** रोटली

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और ज़ीरा, हींग और अदरक डालें। जब बीज चटकने लगे, टमाटर, हल्दी पाउडर, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 8-10 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। आंच से हठाकर, सेव डालकर अच्छी तरह मिला लें। रोटली के साथ तुरंत परोसें। सुलभ सुझाव : जितना हो सके, इस व्यंजन को परोसने से पहले बनाऐं वरना सेव नरम हो जाती है।

चटपटी मटर चाट

सामग्री

2 कप सूखे मटर, 3 आलू, 1 प्याज, बारीक कटी हुई, 1 टमाटर, बारीक कटा हुआ, 2 नींबू , आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा, 1 चुटकी हींग, 1 कप इमली की चटनी, 1 कप हरी चटनी, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच काला नमक, 1 चम्मच जीरा, स्वादानुसार नमक, 2 चम्मच हरा धनिया, बारीक कटी हुई। **सेंव गार्निशिंग के लिए:** 2 चम्मच तेल, 1 चम्मच चाट मसाला, आधा चम्मच धनिया पाउडर, 1 चौथाई चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चौथाई चम्मच अमचूर, 2-3 पापड़ी

विधि

सबसे पहले मटर को धोकर 5-6 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। जब मटर अच्छी तरह भीग जाए तो पानी निकाल लें। अब भीगी हुई मटर को एक बार और धो लें फिर प्रेशर कूकर में मटर, आलू , थोड़ा-सा पानी, बेकिंग सोडा और हींग डालकर 4 सीटी लगा लें। अब एक फ्राई पैन में तेल डाल कर गरम करें व इसमें जीरा व टमाटर डालकर 2 मिनट तक मैश करते हुए पकाएं। फिर इसमें उबले मटर और आलू डालें। इसके ऊपर धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर डालें और अच्छी तरह मैश कर पकाएं। अब इसमें आधा कप पानी और नमक डालकर पकाएं। जब पानी लगभग सूख जाए तो आंच बंद कर दें। अब एक छोटे बाउल में मटर चाट निकालें। इसके ऊपर प्याज डाल दें साथ ही सभी मसाले और नींबू का रस मिलाकर आवश्यकतानुसार इमली व हरी चटनी भी डालें। इस पर सेंव, पापड़ी और हरी धनिया पत्ती डालें और सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**